दैनिक
बुलन्द मंज़िल
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)
PRGI NO. - UPBIL/25/A4797
उ.प्र. के जनपद सम्भल से प्रकाशित...
बरेली मण्डल व मुरादाबाद मण्डल के जनपद अमरोहा, रामपुर, बिजनौर से प्रसारित...
वर्ष : 01 | अंक : 135 | संभल, मंगलवार 28 अप्रैल 2026 | पृष्ठ : 06 | मूल्य: 05/-रू.

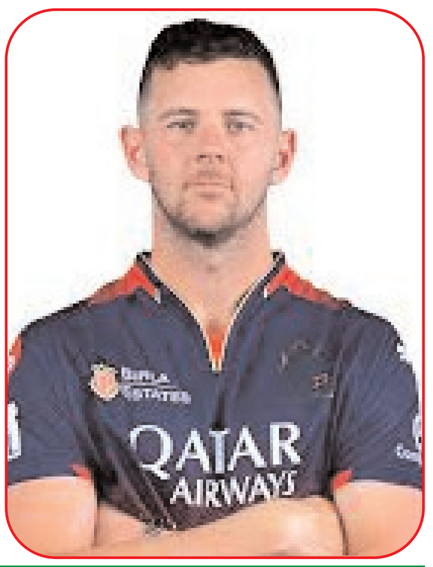

पेज :- 03- महानगर के 9 मंडलों में मन की बात , डॉ श्यामा प्रसाद...
पेज :- 04- रोटरी क्लब हापुड़ के नवनियुक्त अध्यक्ष मुस्लिम कुरैशी..

बंगाल’ में पीएम मोदी का ममता पर सीधा वार, टीएमसी ने मां, माटी, मानुष को धोखा दिया

एजेंसी

बंगाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बंगाल के लोगों को भरोसा दिलाया है कि इस बार पश्चिम बंगाल में बीजेपी सत्ता में आ रही है। आरामबाग में एक रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि पहले चरण में टीएमसी का घमंड टूट गया और दूसरे चरण में निश्चित तौर पर बीजेपी की सरकार बनेगी। उन्होंने ममता बनर्जी सरकार पर भी तीखा हमला बोलते हुए कहा कि टीएमसी सरकार के भ्रष्टाचार और शासन की नाकामियों ने लोगों को कगार पर पहुंचा दिया है। उन्हें हटाने का संकल्प अब पहले से कहीं ज्यादा मजबूत है। पीएम मोदी ने कहा कि हुगली नदी के आस-पास के इलाके कभी अपनी मिलों और फैक्ट्रियों के लिए जाने जाते थे। लेकिन आज, उन मिलों में 'लॉकआउट' के नोटिस की खबरें ज्यादा सुनने को मिलती हैं। कई ऐसी फैक्ट्रियां, जो ब्रिटिश काल से चल रही थीं, अब बंद हो रही हैं। किसानों के बारे में बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि बीजेपी के लिए, किसानों का कल्याण हमारी प्राथमिकता है। हम किसानों और मजदूरों, दोनों की चिंताओं को समझते हैं। इसीलिए, पिछले 11 वर्षों में, बीजेपी सरकार ने जूट के लिए (न्यूनतम समर्थन मूल्य) को दोगुना कर दिया है... हमने जूट की खरीद को तीन गुना बढ़ा दिया है, गेहूँ और चावल की पैकिंग के लिए 100% जूट का उपयोग अनिवार्य कर दिया है, और जूट की माँग बढ़ाने के लिए सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा दिया है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि बंगाल में जूट मिलों को सबसे ज्यादा ऑर्डर मिलें। हालाँकि, टीएमसी का सिंडिकेट इन मिलों को चलने नहीं देता। यहाँ के किसानों के कल्याण के लिए, टीएमसी सरकार को विदा होना पड़ेगा।

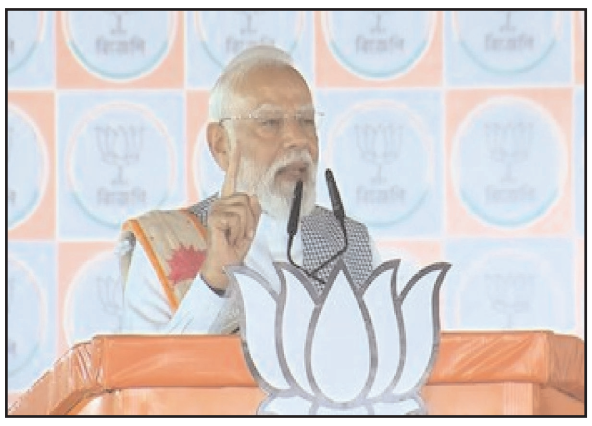

बोंगांव में पीएम मोदी ने ममता सरकार पर निशाना साधा

इससे पहले बोंगांव में एक रैली से, प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि मौजूदा व्यवस्था के तहत छोटे स्तर के नेता और गुंडे भी ऐसे बर्ताव करते हैं जैसे वे सत्ता में हों। उन्होंने कहा कि यह राज्य में शासन और जवाबदेही के टूटने को दशार्ता है। पीएम मोदी ने टीएमसी के संस्थापक नारे माँ, माटी, मानुष पर भी सवाल उठाया, और कहा कि पार्टी अब इसका इस्तेमाल नहीं करती क्योंकि उसके काम उन आदर्शों के विपरीत हैं। उन्होंने सरकार पर तीनों मोर्चों पर विफल रहने का आरोप लगाया, और दावा किया कि माताओं को कष्ट सहना पड़ा है, जमीन का दुरुपयोग हुआ है, और लोगों को पलायन करने पर मजबूर होना पड़ा है।

बंगाल में फिर खुलेंगे भ्रष्टाचार के बड़े राज: दूसरे चरण के मतदान से पहले ईडी का एक्शन, मारे ताबड़तोड़ छापे

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भ्रष्टाचार और काले धन के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक बार फिर अपना चाबुक चलाया है। लगातार दो दिन हुई इस बड़ी कार्रवाई से राज्य के राजनीतिक और प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है। ईडी ने कोलकाता, हावड़ा और वर्धमान सहित कई ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की है। इस कार्रवाई में भारी मात्रा में नकदी, सोने के आभूषण और कई ऐसे अहम दस्तावेज बरामद हुए हैं, जो सीधे तौर पर बड़े नेताओं और पुलिस अफसरों की ओर इशारा कर रहे हैं। दूसरे चरण के मतदान से पहले ईडी ने ये कार्रवाई की है। यह मामला मुख्य रूप से दो अलग-अलग घोटालों से जुड़ा हुआ है। पहला मामला मनी लॉन्ड्रिंग (काले धन को सफेद करने) का है, जिसमें पुलिस के एक बड़े अधिकारी और कुछ अन्य लोग शक के घेरे में हैं। वहीं, दूसरा मामला सार्वजनिक वितरण प्रणाली यानी राशन घोटाले से जुड़ा है। ईडी की टीमों ने इन दोनों मामलों में 25 और 26 अप्रैल 2026 को कुल 14 ठिकानों पर एक साथ दबिश दी। इस दौरान जांच एजेंसी को लाखों रुपये का कैश मिला है और कई ऐसे सबूत हाथ लगे हैं, जो आने वाले समय में कई सफेदपोशों की मुश्किलें बढ़ा सकते हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग के अलावा, 25 अप्रैल 2026 को ईडी ने पीडीएस (राशन) घोटाले में भी बड़ी कार्रवाई की। यह छापेमारी निरंजन चंद्र साहा और अन्य संदिग्धों से जुड़े 11 ठिकानों पर की गई। ईडी की टीमों ने कोलकाता, हावड़ा और वर्धमान में यह तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान जांच एजेंसी को मौके से 18.4 लाख रुपये नकद बरामद हुए हैं। साथ ही, मामले से जुड़े कई डिजिटल सबूत और अहम दस्तावेज भी जब्त किए गए हैं।

उम्मीदवारी रद्द करने वाली याचिका खारिज; ममता के खिलाफ लड़ेंगे चुनाव

कलकत्ता (एजेंसी)। शुभेंदु अधिकारी इस निर्वाचन क्षेत्र में मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। याचिकाकर्ता ने मांग की थी कि अधिकारी की उम्मीदवारी रद्द की जाए। याचिका में आरोप लगाया गया था कि अधिकारी ने कुछ ऐसी टिप्पणियां की हैं जो देश के धर्मनिरपेक्ष ढांचे के खिलाफ हैं।

कोर्ट की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता अदालत के सवालों का संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। मुख्य न्यायाधीश सुजय पाल की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने याचिकाकर्ता से पूछा था कि संविधान के किस प्रावधान के तहत उम्मीदवारी रद्द की जानी चाहिए। याचिकाकर्ता इस पर कोई स्पष्ट जवाब नहीं दे सका।

कोर्ट ने इस याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार करने से इनकार करते हुए इसे सिरे से खारिज कर दिया। शुभेंदु अधिकारी के वकील बिल्वदल भट्टाचार्य ने कोर्ट में अपना पक्ष रखा। उन्होंने दावा किया कि यह याचिका पूरी तरह से राजनीतिक उद्देश्यों के लिए दायर की गई थी।

अधिकारी के वकील बिल्वदल भट्टाचार्य ने कहा, 'यह याचिका भवानीपुर से शुभेंदु अधिकारी की उम्मीदवारी को प्रभावित करने के राजनीतिक इरादे से पेश की गई थी।'

पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को हुआ था। दूसरे चरण के लिए 29 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। राज्य में चुनाव के नतीजों की घोषणा और चुनाव की मतगणना 4 मई को की जाएगी। चुनाव आयोग और प्रशासन ने मतदान को लेकर पूरी तैयारियां कर ली हैं।

मंगलूरू ब्लास्ट: मंदिर में रखने से पहले ही फट गया था कुकर बम, साढ़े तीन साल बाद आतंकी शारिक को 10 साल की सजा

बंगलूरू (एजेंसी)। बंगलूरू में 2022 के चर्चित मंगलूरू कुकर विस्फोट कांड के आरोपी मोहम्मद शारिक को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक विशेष अदालत ने मंगलुरु कुकर विस्फोट मामले में आतंकी आरोपी मोहम्मद शारिक को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। शारिक ने अदालत के समक्ष अपना अपराध स्वीकार कर लिया था।

पुलिस की भूमिका पर क्या बोले गृह मंत्री?

वहीं राज्य के गृह मंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पुलिस ने कानून के तहत अपनी पूरी जिम्मेदारी निभाई है। जरूरी सबूत इकट्ठा कर कोर्ट में पेश किए गए हैं। उन्होंने कहा, 'हमें न्यायपूर्ण फैसला मिलने की उम्मीद है, बाकी हमें इंतजार करना चाहिए।' उन्होंने यह भी साफ किया कि इस मामले में राजनीतिक बयानबाजी अलग बात है, लेकिन असली महत्व कानूनी प्रक्रिया का है।

क्या है पूरा मामला?

यह मामला 19 नवंबर 2022 का है, जब मंगलूरू में एक ऑटो रिक्शा के अंदर कुकर बम धमाका हुआ था। इस धमाके में मुख्य आरोपी मोहम्मद शारिक खुद ही गंभीर रूप से झुलस गया था, क्योंकि बम समय से पहले फट गया था।

जनगणना: प्रदेश में सात मई से शुरू होगी जनगणना

लखनऊ। जनगणना-2027 के प्रथम चरण के तहत उत्तर प्रदेश में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के लिए स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) की प्रक्रिया सात मई 2026 से शुरू होकर 21 मई तक चलेगी। इस दौरान नागरिक ऑनलाइन माध्यम से स्वयं अपने घर और परिवार की जानकारी दर्ज कर सकेंगे। रजिस्ट्रेशन के बाद उपयोगकर्ता अपनी सुविधा के अनुसार हिंदी, अंग्रेजी समेत 16 उपलब्ध भाषाओं में से भाषा का चयन कर सकते हैं। इसके बाद पता संबंधी विवरण जैसे राज्य, जिला, शहर या गांव की जानकारी भरनी होगी। साथ ही घर का लोकेशन मैप पर चिह्नित (टैग) करना भी जरूरी होगा। अगले चरण में घर और परिवार से जुड़ी विस्तृत जानकारी भरनी होगी। इसमें कुल 33 सवाल पूछे जाएंगे, जिनमें मकान का प्रकार (पक्का या कच्चा), बिजली, पानी और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं, परिवार के सदस्यों का विवरण और टीवी, मोबाइल, इंटरनेट जैसी संपत्ति संबंधी जानकारी शामिल है। किसी भी सवाल को समझने के लिए बटन पर क्लिक कर जानकारी प्राप्त की जा सकती है। सभी विवरण भरने के बाद फॉर्म को सावधानीपूर्वक जांचकर सबमिट करना होगा। इसके बाद एक यूनिक सेल्फ एन्यूमरेशन आईडी (एसईआईडी) प्राप्त होगी, जिसे सुरक्षित रखना अनिवार्य है।

पीएम मोदी का पश्चिम बंगाल’ के नाम पत्र

लिखा- बीजेपी सीएम का शपथ ग्रहण साथ मनाएंगे

एजेंसी

पश्चिम बंगाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के लोगों को एक भावुक पत्र लिखा। यह पत्र उन्होंने विधानसभा चुनावों के दूसरे चरण के प्रचार समाप्त होने के अवसर पर लिखा, जिसमें उन्होंने राज्य में अपने जनसंपर्क को आध्यात्मिक रूप से उत्साहवर्धक और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण, दोनों ही बताया। पश्चिम बंगाल के भाइयों और बहनों" को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि हर चुनाव लोकतंत्र का एक पवित्र उत्सव होता है और उन्हें इसमें शामिल होकर खुद को सौभाग्यशाली महसूस हुआ। अपने व्यापक चुनावी अभियान पर विचार करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें राज्य की जनता के सामने इखढ का विकास का रोडमैप प्रस्तुत करने का अवसर

मिला। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रचार के दौरान उन्हें एक अनोखी ऊर्जा का अनुभव हुआ; उन्होंने आगे कहा कि भीषण गर्मी और लगातार रैलियों के बावजूद उन्हें जरा भी थकान महसूस नहीं हुई। उन्होंने लिखा कि ये रैलियाँ और रोडशो किसी तीर्थयात्रा जैसे लगे," और अपनी इस शक्ति का श्रेय माँ काली के आशीर्वाद और लोगों की भक्ति को दिया। जनवरी 2024 में अयोध्या में राम लल्ला की प्राण-प्रतिष्ठा से इसकी तुलना करते हुए, जिसके लिए उन्होंने 11 दिनों का अनुष्ठान और उपवास रखा था। मोदी ने कहा कि बंगाल के चुनाव प्रचार के दौरान भी उन्हें वैसी ही आध्यात्मिक अनुभूति हुई। प्रधानमंत्री ने लोगों के साथ अपने भावनात्मक जुड़ाव का भी ज़िक्र किया; उन्होंने बताया कि रैलियों और रोडशो के दौरान उन्हें अनगिनत संदेश, पत्र और तस्वीरें मिलीं, जिन्हें वे आज भी पढ़ते हैं और उनका जवाब देते हैं। उन्होंने युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों और परिवारों के इस स्नेह को अपना "सबसे बड़ा खजाना" बताया। लोगों के मूड को देखते हुए मोदी ने कहा कि बंगाल के युवा, महिलाएं, किसान और मजदूर विकास और अवसरों के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि युवा आगे बढ़ने के लिए खुले रास्ते चाहते हैं, जबकि महिलाएं सुरक्षा और आजादी की उम्मीद करती हैं। अब बहुत डर हो चुका है; अब लोग भरोसा चाहते हैं, अब वे बीजेपी चाहते हैं। अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए मोदी ने कहा कि बंगाल की सेवा करना और उसे सुरक्षित रखना उनकी ज़िम्मेदारी है, और वे चुनौतियों को अवसरों में बदलने के लिए दृढ़ हैं। उन्होंने यह भी भरोसा जताया कि लोग राज्य में इखढ सरकार के शपथ ग्रहण समारोह का जश्न मनाने के लिए एक साथ आएंगे।

आईएसबीटी और राजेंद्रनगर टर्मिनल से रेलवे स्टेशन तक कनेक्ट होगी पटना मेट्रो, सीएम सम्राट ने दिए निर्देश

एजेंसी

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को नगर विकास एवं आवास, पंचायती राज तथा पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने पटना मेट्रो रेल को लेकर कई निर्देश दिए। यह कहा कि पटना मेट्रो रेल के तहत अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी) व राजेंद्रनगर टर्मिनल को पटना जंक्शन से जोड़ने का काम शीघ्र पूरा किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पटना मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के काम में तेजी लाते हुए ससमय पूर्ण करें। मलाही पकड़ी से राजेन्द्र नगर टर्मिनल तक जल्द से जल्द मेट्रो रेल परियोजना को पूर्ण करें। साथ ही पटना जंक्शन तक पटना मेट्रो का कार्य शीघ्र पूरा करें। आईएसबीटी, राजेन्द्रनगर टर्मिनल तथा पटना जंक्शन से पटना मेट्रो रेल के आपस में जल्द जुड़ जाने से लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरी विकास

से जुड़ी योजनाओं को तेजी से पूर्ण करें। स्वच्छता, जलापूर्ति पर विशेष ध्यान दें। जो भी आधारभूत संरचनाओं का निर्माण कराया जा रहा है वह सुदृढ़ और गुणवत्तापूर्ण हो। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत बचे हुए लोगों को तेजी से आवास उपलब्ध कराएं, ताकि शहरी क्षेत्र के बेघर परिवारों को पक्का आवास मिल सके। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए पीपीपी मॉडल का उपयोग करें, ताकि कचरा का बेहतर प्रबंधन और सदुपयोग किया जा सके। एसटीपी को ठीक से फंक्शनल रखें। साथ ही गंगा नदी के किनारे एसटीपी जहां भी निमार्णाधीन है उसपर तेजी से काम करें। सीवरेज नेटवर्क का विस्तार कराएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शवदाह गृह व मोक्ष घाम का निर्माण उसी स्थान पर करायें जहां परम्परागत रूप से शवों का अंतिम संस्कार किया जाता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना के तहत जो भी सोलर लाइट लगाए गए हैं, वे पूरी तरह फंक्शनल रहें, इसे सुनिश्चित करें। इसके लिए एक मॉनिटरिंग सिस्टम विकसित करें ताकि यह पता चल सके कि सोलर लाइट का संचालन बेहतर ढंग से हो रहा है। प्रत्येक ग्राम पंचायतों में सीसीटीवी का अधिष्ठापन सुनिश्चित कराएं। बैठक में नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार ने प्रमुख केन्द्रीय योजनाओं, शहरों के मास्टर प्लान, रिजनल रैपिड ट्रांजिट प्रणाली, पटना मेट्रो, विज्ञापन नियमावली सहित अन्य कार्यों की अद्यतन स्थिति की विस्तृत जानकारी दी। पंचायती राज विभाग के अपर सचिव आदित्य प्रकाश ने अपने विभाग से सबंधित कार्यों की अद्यतन स्थिति तथा प्रस्तावित योजनाओं के सबंध में जानकारी दी गया के जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने महाबोधि मंदिर कॉरिडोर, बोधगया तथा विष्णुपद मंदिर कॉरिडोर, गयाजी के समग्र विकास से संबंधित योजना के संबंध में जानकारी दी। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह, नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, सूचना प्रावैधिकी विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, गृह विभाग के विशेष कार्य पदाधिकारी संजय कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. चन्द्रशेखर सिंह व पटना प्रमंडल के आयुक्त अनिमेश परासर व कई अन्य वरीय अधिकारी मौजूद थे।

गुजरात में जमीन वापस लेने की कार्रवाई पर 'सुप्रीम' रोक, आसाराम ट्रस्ट को मिली राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम आदेश देते हुए विवादित जमीन मामले में 4 मई तक यथास्थिति बनाए रखने को कहा है। यह मामला स्वयंभू धर्मगुरु आसाराम के अहमदाबाद स्थित आश्रम की जमीन से जुड़ा है, जिसे गुजरात सरकार 2030 राष्ट्रमंडल खेल 2030 की तैयारी के लिए लेना चाहती है। करीब 45,000 वर्ग मीटर जमीन, जहां यह आश्रम बना हुआ है, अहमदाबाद के मोटेरा इलाके में नरेंद्र मोदी स्टेडियम के पास स्थित है।

सरकार इस जमीन पर सरदार पटेल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाने की योजना पर काम कर रही है।

सुनवाई के दौरान बेंच ने क्या की टिप्पणी?

सुप्रीम कोर्ट की बेंच, जिसमें जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता शामिल हैं, ने पहली नजर में कहा कि ऐसा लगता है कि ट्रस्ट को सही तरीके से नोटिस नहीं दिया गया था। कोर्ट ने गुजरात सरकार को निर्देश दिया है कि वह इस जमीन से जुड़े सभी दस्तावेज तीन दिन के भीतर पेश करे, जबकि ट्रस्ट को भी जवाब देने के लिए समय दिया गया है। सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि आश्रम की तरफ से कई उल्लंघन हुए हैं और बिना अनुमति के 30 से ज्यादा इमारतें बनाई गई हैं। वहीं ट्रस्ट की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने दलील दी कि जमीन आश्रम, सामाजिक कार्यों और स्कूल के लिए दी गई थी और किसी भी शर्त का उल्लंघन नहीं हुआ है।

'अगली सुनवाई से पहले न हो कोई तोड़फोड़ या कार्रवाई'

कोर्ट ने साफ किया कि अगली सुनवाई (4 मई) तक जमीन पर कोई भी तोड़फोड़ या जबरन कार्रवाई नहीं की जाएगी। हालांकि सरकार की ओर से यह भरोसा भी दिया गया कि तब तक एक भी ईंट नहीं हटाई जाएगी। गौरतलब है कि आसाराम इस समय मेडिकल आधार पर जमानत पर हैं, जबकि उन्हें नाबालिग से दुष्कर्म समेत कई मामलों में उम्रकैद की सजा मिल चुकी है। अब इस पूरे मामले की अगली सुनवाई 4 मई को होगी, जहां कोर्ट तय करेगा कि जमीन पर सरकार का दावा सही है या ट्रस्ट का।

यूपी में दर्दनाक हादसा: मां और तीन साल की बेटी को गाड़ी ने कुचला, दोनों की मौत

आधार अपडेट कराने गई थी महिला

एजेंसी

बुलंदशहर। यूपी के बुलंदशहर स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग 34 पर अरनिया बिजली घर के पास सोमवार दोपहर एक दुखद सड़क हादसा हुआ। एक महिला और उसकी तीन साल की बच्ची पैदल सड़क पार कर रही थीं, तभी एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। महिला गांव क्योली खुर्द से बिजली घर पर आधार कार्ड संशोधन के लिए गई थी। हाइवे पर तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे तत्काल नजदीकी अस्पताल

पहुंचाया गया। हालांकि, उपचार के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। इस हृदय विदारक घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की तलाश जारी है।

CMYK

संपादकीय

सुरक्षित शिक्षा की ओर पहल, सराहनीय कदम

देश का भविष्य युवा और किशोर पीढ़ी में निहित है, उनकी सुरक्षा और समुचित विकास सरकारों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इस दिशा में जिला प्रशासन की सक्रिय भूमिका निर्णायक बनती है। इंदौर में कलेक्टर शिवम वर्मा द्वारा स्कूल और कॉलेजों के लिए जारी निर्देश इसी जिम्मेदारी का सशक्त उदाहरण हैं, जो प्रदेश के लिए एक आदर्श मॉडल बन सकते हैं। इन निर्देशों का मूल उद्देश्य शिक्षा के साथ सुरक्षा को समान प्राथमिकता देना है। आज अभिभावकों की सबसे बड़ी चिंता यही रहती है कि उनका बच्चा सुरक्षित स्कूल पहुंचे और वापस लौटे। ऐसे में स्कूल वाहनों की फिटनेस, ओवरलोडिंग पर रोक और प्रशिक्षित ड्राइवरों की अनिवार्यता जैसे कदम अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। स्पीड गवर्नर, जीपीएस और सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था न केवल निगरानी को सुदृढ़ बनाएगी, बल्कि आपात स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया भी संभव करेगी। इसके साथ ही फर्स्ट-एड बॉक्स, अग्निशमन यंत्र और इमरजेंसी निकास जैसे प्रावधान प्रशासन की संवेदनशीलता को दर्शाते हैं। ड्राइवरों के अनुभव, उनके आपराधिक रिकॉर्ड की जांच और महिला परिचालकों की नियुक्ति जैसे निर्देश विशेष रूप से छात्राओं की सुरक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण हैं। यह व्यवस्था सुरक्षा के साथ सामाजिक जिम्मेदारी का संतुलन भी स्थापित करती है। कॉलेज परिसरों में नशामुक्त वातावरण बनाने के लिए निगरानी समितियों का गठन भी एक दूरदर्शी कदम है। शिक्षा तभी प्रभावी हो सकती है, जब उसका वातावरण अनुशासित और स्वस्थ हो। साथ ही यूनिफॉर्म और किताबों में एकाधिकार समाप्त करने की पहल पारदर्शिता और आर्थिक संतुलन की दिशा में सकारात्मक संकेत देती है। अब आवश्यकता है कि प्रदेश सरकार इस मॉडल को व्यापक स्तर पर अपनाए। एक समान गाइडलाइन, नियमित निरीक्षण और सख्त कार्रवाई के साथ इसे लागू किया जाए। यदि यह मॉडल पूरे प्रदेश में प्रभावी रूप से लागू होता है, तो यह न केवल बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, बल्कि शिक्षा व्यवस्था में विश्वास भी मजबूत करेगा।

डिजिटल 'लत' और उभरता सामाजिक संकट

आज बचपन क्या स्क्रीन के सामने बड़ा हो रहा है? मोबाइल, टैबलेट और सोशल मीडिया ने बच्चों को इतना घेर लिया है कि खेल-कूद, परिवार की बातचीत और प्रकृति से जुड़ाव कहीं पीछे छूट रहे हैं। यह महज तकनीकी सुविधा नहीं, बल्कि एक गहरा सामाजिक संकट है जो बच्चों के मानसिक, शारीरिक विकास को चुनौती दे रहा है। वैश्विक संस्थान डब्ल्यूएचओ और यूनिसेफ के आंकड़े इस खतरे को रेखांकित करते हैं। दुनिया भर में स्क्रीन टाइम की बढ़ती लत ने नीतिगत बहस को नई दिशा दी है, क्या कानूनी रूप से केवल वयस्कों को ही सोशल मीडिया अकाउंट चलाने की स्वतंत्रता होनी चाहिए? दुनिया के कई देश इस दिशा में ठोस कदम उठा चुके हैं। चीन ने 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए ऑनलाइन गेमिंग को सप्ताह में तीन घंटे तक सीमित कर दिया है, यह कदम बच्चों में गेमिंग लत नियंत्रित करने उठाया गया। फ्रांस की स्कूलों में मोबाइल फोन लाने पर प्रतिबंध है और मिडिल स्कूलों में फोन लॉकर में रखने की व्यवस्था है। ऑस्ट्रेलिया भी बच्चों के स्क्रीन टाइम और उम्र पर सख्त नियम लागू कर रहा है। साफ है कि डिजिटल दुनिया में बच्चों की सुरक्षा अब वैश्विक प्राथमिकता बन चुकी है।

भारत में भी यह चिंता तेजी से बढ़ रही है। ऑनलाइन पढ़ाई और स्मार्टफोन के बढ़ते उपयोग ने बच्चों का स्क्रीन टाइम कई गुना बढ़ा दिया है। कुछ राज्य सक्रिय हो गए हैं, कर्नाटक ने 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पूर्ण प्रतिबंध की घोषणा की है, जबकि आंध्र प्रदेश 13 वर्ष से कम उम्र के लिए ऐसे कानून बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। केंद्र सरकार भी इस पर विचार कर रही है ताकि 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की सोशल मीडिया पहुंच को नियंत्रित किया जा सके। मांग यह है कि सभी प्लेटफॉर्म पर उम्र-आधारित सत्यापन और निगरानी अनिवार्य हो, क्योंकि समस्या किसी एक ऐप तक सीमित नहीं है। इस लत के प्रभाव दूरगामी और घातक हैं। जर्नल

ऑफ द अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन बताता है कि हर अतिरिक्त घंटे का स्क्रीन टाइम बच्चों में कार्डियोमेटाबोलिक जोखिम (यानी उच्च रक्तचाप, कोलेस्ट्रॉल, इंसुलिन प्रतिरोध और मोटापा) को बढ़ाता है। 6 से 10 वर्ष के बच्चों में यह प्रभाव साफ दिखता है, जबकि किशोरों में यह और भी गंभीर है। स्क्रीन टाइम नींद की कमी से भी सीधे जुड़ा है, जो विकासशील दिमाग के लिए और बड़ा खतरा बन जाता है।

अपने देश की बात करें तो यहां के परिवारों में बच्चों की नींद, शारीरिक गतिविधि और एकाग्रता पर इसका नकारात्मक असर देखा जा रहा है। मेटा (इंस्टाग्राम) ने हाल ही में भारत में किशोरों के लिए नई सुरक्षा सुविधाएं शुरू की हैं। अब 18 वर्ष से कम उम्र के सभी यूजर्स को डिफॉल्ट रूप से 13+ उम्र-उपयुक्त कंटेंट सेटिंग में रखा जाएगा, जो 13+ रेटेड फिल्मों जैसा कंटेंट ही दिखाएगा। इसमें माता-पिता की अनुमति के बिना ये सेटिंग्स नहीं बदली जा सकेंगी। इसके अलावा, किशोर अनुचित कंटेंट शेयर करने वाले अकाउंट्स को फॉलो नहीं कर पाएंगे, इसमें फीचर यह भी है कि उनके डायरेक्ट मैसेज या कमेंट्स नहीं देख पाएंगे। मेटा का कहना है कि कोई भी सिस्टम पूर्ण नहीं होता, लेकिन वे इसे लगातार बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह कदम यूएस, यूके, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा के बाद भारत में लागू हुआ है और वैश्विक बहस का हिस्सा है।

फिर भी, प्लेटफॉर्म-आधारित बदलाव पर्याप्त नहीं हैं। असली जिम्मेदारी माता-पिता, शिक्षकों और समाज की है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि रोजाना स्क्रीन टाइम सीमित रखना, सोने से पहले स्क्रीन से दूरी बनाना, बच्चों को खेलकूद और शारीरिक गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित करना तथा घर में कुछ समय 'नो-स्क्रीन जोन' घोषित जैसे छोटे-छोटे बदलाव बड़ा फर्क ला सकते हैं। परिवार में संवाद को बढ़ावा देकर बच्चों को वास्तविक दुनिया से जोड़ा जा सकता है। बचपन स्क्रीन के पीछे नहीं, बल्कि अनुभवों, रिश्तों और सीखने में खिलता है। डिजिटल युग में संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन जरूरी भी। अगर हम आज कदम नहीं उठाएंगे तो कल की युवा पीढ़ी मानसिक रूप से कमजोर, शारीरिक रूप से अस्वस्थ और भावनात्मक रूप से अलग-थलग हो सकती है। नीतियां, जागरूकता और व्यक्तिगत प्रयासों का गठजोड़ ही इस संकट का समाधान है। माता-पिता को सतर्क रहना होगा, सरकारों को सख्त नियम लागू करने होंगे और समाज को सामूहिक रूप से जिम्मेदारी उठानी होगी, ताकि बचपन स्क्रीन का गुलाम न बने, बल्कि स्वतंत्र और स्वस्थ विकास कर सके।

■ **राममनोहर रायकवार**

राशि का नक्षत्र पूर्वा फाल्गुनी का तृतीय चरण प्रारंभ होगा और इसका नक्षत्र पाया रजत रहेगा। दोपहर 3:30 बजे सिंह राशि का नक्षत्र पूर्वाफाल्गुनी का चतुर्थ चरण प्रारंभ होगा और इसका नक्षत्र पाया रजत रहेगा। रात्रि 9:30 बजे सिंह राशि का नक्षत्र उत्तर फाल्गुनी का प्रथम चरण प्रारंभ होगा और इसका नक्षत्र पाया रजत रहेगा। **योग**:- ध्रुव, **करण**:- विष्टीभद्र। **नक्षत्र के अनुसार राशि नाम अक्षर**:- टा, टी, टू, टे। **आराधना का मंत्र**:- ऊं आदित्याय विदमहे दिवाकराय धीमहि तन्नो सूर्यः प्रचोदयात ॥

- **मेष राशि**:- आज दोपहर के बाद से समय और भी बेहतर है, स्वास्थ्य बढ़िया रहेगा, कामकाज अनुकूलता से भरा रहेगा।
- **वृषभ राशि**:- चंद्रमा आज दोपहर के बाद शुभ स्थिति में आ रहा है, मन प्रसन्न होगा प्रेम संबंध सुधरेंगे।
- **मिथुन राशि**:- सितारे आज दोपहर तक कि आपकी सहायता करेंगे, जरूरी काम काज तेजी से करें।
- **कर्क राशि**:- आपकी राशि में आज धूप छांव की स्थिति बनी रहेगी, शाम से परिस्थितियां सामान्य होंगे।
- **सिंह राशि**:- समय की अनुकूलता आज पूरे दिन है, उन्नति के योग हैं, यात्रा कर सकते हैं।
- **कन्या राशि**:- आज दोपहर से समय शानदार हो रहा है, सुबह धैर्य पूर्वक काम करें।
- **तुला राशि**:- समय आज दोपहर बाद से कमजोर हो रहा है, जरूरी काम सुबह अवश्य कर लें।
- **वृश्चिक राशि**:- ग्रहों का सहयोग लगातार आपको मिलता रहेगा, आने वाले दो-तीन दिन में अपने आवश्यक काम तेजी से कर लें।
- **धनु राशि**:- समय के अनुकूल ता जारी है, शासन से जुड़े हुए काम करने का उचित समय बना हुआ है।
- **मकर राशि**:- आज दोपहर के बाद से समय शानदार हो रहा है, सुबह किसी से बहस करने से बचें।
- **कुंभ राशि**:- चंद्रमा का सहयोग आज दोपहर तक ही मिलेगा, दोपहर के बाद किसी से बहस ना करें।
- **मीन राशि**:- समय लगातार आपके पक्ष में बना रहेगा, संबंधों में अनुकूलता रहेगी, उच्च अधिकारी आपकी मदद करेंगे।

इस वर्ष भीषण गर्मी की आशंकाएं केवल मौसमी खबर नहीं, बल्कि एक गहरे पर्यावरणीय संकट की चेतावनी हैं। बदलता मौसम अब प्रकृति के असंतुलन का संकेत बन चुका है, जो मानव जीवन, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव डाल रहा है। यह स्थिति हमें चेताती है कि समय रहते जागरूकता और ठोस कदम उठाना अनिवार्य हो गया है।

तपती धरती, बढ़ता संकट और हमारी जिम्मेदारी

कइस वर्ष भीषण गर्मी को लेकर व्यक्त की जा रही आशंकाएं केवल चेतावनी नहीं, बल्कि आने वाले संकट की स्पष्ट दस्तक है। मौसम का बदला हुआ मिजाज अब सिर्फ ऋतु परिवर्तन की सामान्य प्रक्रिया नहीं रह गया है, यह हमारे समय का एक गंभीर पर्यावरणीय संकेत बन चुका है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार अप्रैल से मई के बीच तापमान सामान्य से 4 से 8 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है। यह वृद्धि केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि मानव जीवन के हर आयाम को प्रभावित करने वाली है। भारत के कई शहर पहले ही दुनिया के सबसे गर्म क्षेत्रों में शामिल हो चुके हैं। महाराष्ट्र का अकोला, अमरावती, नागपुर और वर्धा जैसे शहर लगातार ऊंचे तापमान दर्ज कर रहे हैं, वहीं छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, बिहार और तेलंगाना के शहर भी 42 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच झुलस रहे हैं। यह स्थिति केवल भौगोलिक नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संकट का संकेत भी है। विशेषकर वे लोग, जिनका जीवन खुले आसमान के नीचे श्रम करने पर निर्भर है जैसे मजदूर, डिलीवरी कर्मी, ट्रैफिक पुलिस और छोटे दुकानदार, इस तपिश के सबसे बड़े शिकार बन रहे हैं।

गर्मी का बढ़ना केवल असहजता नहीं लाता, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरे पैदा करता है। हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और हृदय संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ती हैं। अस्पतालों में मरीजों की संख्या में वृद्धि इस बात का प्रमाण है कि यह मौसम अब जीवन के लिए चुनौती बन चुका है। यदि तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंचता है, जैसा कि कुछ आशंकाएं व्यक्त कर रही हैं, तो दोपहर के समय सामान्य गतिविधियां लगभग ठप हो जाएंगी और जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो सकता है। इस संकट का प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं है, यह हमारी आधारभूत संरचनाओं पर भी भारी दबाव डाल रहा है। बिजली की खपत तेजी से बढ़ रही है, जल की मांग कई गुना हो गई है और शहरी क्षेत्रों में 'अर्बन हीट आइलैंड' प्रभाव और तीव्र हो गया है। कंक्रीट के जंगलों ने प्राकृतिक संतुलन को इस हद तक प्रभावित किया है कि शहर स्वयं गर्मी के केंद्र बनते जा रहे हैं, जहां राहत के साधन भी सीमित पड़ने लगे हैं।

इस संदर्भ में वैश्विक स्तर पर भी स्थिति अलग नहीं है। एशिया के कई देशों जैसे- थाईलैंड, वियतनाम और चीन में भी तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया जा रहा है। यह स्पष्ट संकेत है कि जलवायु परिवर्तन अब सीमाओं में बंधा मुद्दा नहीं रहा। इसके पीछे कई वैज्ञानिक कारण हैं जैसे तेज सौर विकिरण, साफ आसमान, कम बादल और उत्तर-पश्चिम से आने वाली शुष्क हवाएं। इसके अतिरिक्त हिमालय और यूरेशिया में बर्फबारी में कमी तथा प्रशांत महासागर के तापमान में वृद्धि ने इस संकट को और गहरा कर दिया है। अब यह समय केवल चिंता करने का नहीं, बल्कि आत्ममंथन और कार्रवाई का है। हमें अपनी जीवनशैली, ऊर्जा खपत और पर्यावरणीय व्यवहार पर पुनर्विचार करना होगा। वृक्षारोपण, जल संरक्षण और सतत विकास के उपाय अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्य जिम्मेदारी बन चुके हैं। यदि हमने अभी भी प्रकृति के संकेतों को अनदेखा किया, तो यह तपिश केवल मौसम की नहीं, बल्कि हमारे अस्तित्व की गंभीर परीक्षा बन जाएगी।

■ **जसवंत सिंह राजपूत**

Geeta Aahoran

K SIVA PRASAD
Retired senior IAS officer in the Punjab Government.

Prisoner of Assumptions Sri Krishna says, "Those who are deeply fascinated by the modes of nature remain attached to the modes and actions; let the fully knowing one not disturb those dull-witted ignorant people who do not fully understand" (3.29). Besides being the real doers, qualities have the ability to hypnotize and cast a spell on us, making us forget our true nature. We remain mesmerized until we realize we are under a spell.

Sri Krishna speaks of the ignorant and the wise. The ignorant, under the spell of gunas or maya, believe they are the doer (3.27). The ignorant desire to acquire things, to be important, to be recognized, and to fight for rights. Furthermore, they consider others in the family, workplace, and society to be doers and expect them to behave according to their expectations. When this does not happen, they are tormented by guilt, regret, anger, and sorrow.The second stage of awareness is that awareness arises after an event has occurred, which may be moments, years, decades, or even a lifetime. These events may be the words we speak, the desires we hold, the decisions we make, or the actions we perform, all of which are caused by qualities within us.The third stage of awareness is to understand in the present moment that the qualities interact with the qualities and that we are not the doers (3.27). This is the art of joyful observation.Even the ignorant will eventually reach a state of awareness according to their own dharma, and therefore, Sri Krishna advises the wise to wait without disturbing the ignorant. We all have many conceptions about the world we live in, and the ignorant are prisoners of these conceptions. It is wise to dispel these conceptions accumulated throughout life. (Continued)

US-Iran Peace Still Within Reach

Peace between the United States and Iran remains achievable despite ongoing tensions, as both sides continue to signal willingness for negotiation even amid military and economic pressure. According to experts, evolving battlefield realities and diplomatic manoeuvres are gradually pushing both Washington and Tehran toward a negotiated settlement rather than prolonged conflict.

The experts highlight that Iran has adopted a calibrated strategy in negotiations, using time and controlled escalation as tools to retain leverage. It notes that Tehran has shown limited restraint by proposing controlled maritime access through parts of the Strait of Hormuz, signalling flexibility without conceding strategic advantage.At the same time, the United States is seeking to weaken Iran's bargaining position through sustained military and economic pressure, including targeting its deterrence capabilities and tightening control over maritime routes. This dual dynamic pressure from Washington and tactical restraint from Tehran is shaping conditions conducive to eventual diplomacy.Report underscores that Iran's traditional negotiation strength lies in its ability to delay, complicate, and extract concessions over time. However, current conditions — including economic strain, military setbacks and challenges to its control over strategic assets like the Strait of Hormuz — are eroding that leverage and pushing it toward compromise.

> The experts highlight that Iran has adopted a calibrated strategy in negotiations, using time and controlled escalation as tools to retain leverage.

Control over the Strait of Hormuz remains central to the conflict, as it gives Iran disproportionate influence over global energy flows despite its relatively weaker conventional military strength. Even the perception that Iran can disrupt shipping has provided it with significant bargaining power in negotiations.As Iran's room for manoeuvre narrows and its strategic assets come under pressure, its diplomatic posture is shifting from one of ambiguity to one driven by necessity. This transition increases the likelihood of serious engagement in peace talks, particularly if both sides perceive diminishing returns from continued escalation.Recent global developments also indicate that diplomacy remains on the table. Reports suggest that both sides have kept channels open for negotiations, even as disagreements over sanctions, maritime access, and nuclear commitments persist. A sustainable peace will depend on balancing face-saving measures, strategic concessions and mutual recognition of limits. Neither side is likely to achieve total victory, making a negotiated settlement the most viable path forward.

But despite the volatility of the current situation, structural pressures on both Tehran and Washington make diplomacy not only possible but increasingly necessary.

The Post-Anti Biotic Era

Steven W Kerrigan

Antibiotics are one of the greatest breakthroughs in medical history. They turned once-deadly infections into treatable illnesses and made modern healthcare possible. But bacteria are changing, and some of the drugs we have depended on for decades are becoming less effective.

Around the world, infections are becoming harder to treat. This problem is known as antimicrobial resistance. It happens when bacteria evolve ways to survive medicines designed to kill them. It is estimated that drug-resistant infections already cause about 1.27 million deaths every year worldwide.

The World Health Organization has warned that we may be moving towards a "post-antibiotic era" in which common infections once again become dangerous, and even routine injuries or procedures carry serious risk.

A century ago, that was normal. A cut from gardening, a sore throat or childbirth could turn into a life-threatening infection. Doctors had few effective treatments, and infectious diseases such as pneumonia, tuberculosis and diarrhoea disease were

among the leading causes of death. The arrival of antibiotics changed that dramatically.

Penicillin, discovered by Alexander Fleming in 1928, marked the beginning of one of the most important revolutions in medicine. Before antibiotics, tuberculosis was one of the world's deadliest infectious diseases. In 1882, it killed one in seven people living in the US and Europe. Once antibiotics became available, many bacterial infections that had once been deadly could be treated effectively.

Antibiotics not only cured infections, but also made modern medicine far safer. Many procedures rely on them to prevent or treat infection, including caesarean sections, organ transplants, joint replacements and cancer chemotherapy.

Without effective antibiotics, these treatments would become much more dangerous. Fleming himself recognised that risk. When he accepted the Nobel Prize in 1945, he warned that misuse of penicillin could lead to resistance.

Living in a microbial world : The human body contains about 30 trillion human cells, but it also carries tens of trillions of bacteria on the skin and inside the body. Together, these communities form the microbiome, the vast collection of microbes that live in and on us. Many of them are not harmful. In fact, they help digest food, produce vitamins and support the immune system, the body's defence system against disease. So life is a finely balanced relationship between humans and the microbial world. But bacteria are ancient and extraordinarily adaptable. They have existed on earth for more than 3.5 billion years and survive in some of the harshest places imaginable, from deep-sea vents to polar ice.

Bacteria multiply very quickly and can also swap genetic material, meaning they can share useful survival traits with one another. Some produce substances that break down antibiotics before the drugs can do any damage. Others alter the parts of their cells that antibiotics are designed to attack. (Courtesy: DTE)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक **''गिलेडविन मसीह''** के लिए **''बुलंद मंज़िल''** हिन्दी दैनिक ए.एच. प्रिन्टर्स, सीधी सराय, असालतपुरा मुरादाबाद मे मुद्रित कराकर कार्यालय बुलंद मंज़िल शंकर कॉलेज चौराहा, राजा मार्केट, प्रथम तल, जनपद संभल से वितरित किया गया। इस अंक में प्रकाशित समाचारों में खबरों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी०आर०वी० एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद सम्भल न्यायालय के अधीन होंगे।

PRGI NO. - UPBIL/25/A4797- Contect No.- 8630704122

CMYK

गंगा एक्सप्रेसवे का असर: अमरोहा में खेतों से खजाना, 236 करोड़ से बदली तकदीर

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विकास की धुरी बनने जा रहा 594 किमी लंबा गंगा एक्सप्रेसवे अब अमरोहा के गांवों में सिर्फ सड़क नहीं, बल्कि समृद्धि की नई कहानी लिख रहा है। 29 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा होने वाले लोकार्पण से पहले ही जिले में विकास की रफ्तार साफ नजर आने लगी है।

इस एक्सप्रेसवे ने सबसे बड़ा बदलाव किसानों की जिंदगी में लाया है। भूमि अधिग्रहण के बदले जिले के 2467 किसानों के खातों में 236.19 करोड़ रुपये पहुंच चुके हैं, जिससे गांवों की अर्थव्यवस्था में जबरदस्त उछाल आया है। बाजारों में रौनक बढ़ी है और ग्रामीण इलाकों में खरीदारी का माहौल बन गया है।

हसनपुर तहसील के मंगरौला गांव में 140.64 हेक्टेयर जमीन पर प्रस्तावित ग्रीन कॉरिडोर अब औद्योगिक भविष्य की नींव बन रहा है। यहां 65% भूमि की खरीद पूरी हो चुकी है। आने वाले समय में यह क्षेत्र नोएडा की तर्ज पर औद्योगिक हब के रूप में विकसित होगा, जहां लॉजिस्टिक्स पार्क, फैक्ट्रियां और होटल नई पहचान देंगे। इससे स्थानीय युवाओं को बड़े शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा।

गंगा एक्सप्रेसवे के जरिए अब अमरोहा के किसानों की उपज सीधे बड़े बाजारों तक पहुंचेगी। सफर का समय आधा होने से फलों और सब्जियों को बेहतर दाम मिलेंगे, जिससे खेती और अधिक लाभकारी बनेगी।

इस हाई-स्पीड एक्सप्रेसवे पर कारें 120 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ेंगी, जबकि भारी वाहनों की सीमा 100 किमी प्रति घंटा तय की गई है। सुरक्षा के लिहाज से दोपहिया वाहनों पर पूरी तरह रोक रहेगी। जिले में 23.60 किमी लंबा यह ट्रैक 25 गांवों से होकर गुजरेगा और मंगरौला में इंटरचेंज की सुविधा स्थानीय लोगों के लिए बड़ी राहत होगी।

लोकार्पण को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। जिलाधिकारी नितिन गौड़ और पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा, ट्रैफिक और सुविधाओं को लेकर सख्त निर्देश दिए हैं। करीब पांच हजार लोगों की मौजूदगी के लिए भव्य जनसभा की तैयारी की जा रही है, जहां एलईडी स्क्रीन के जरिए लाइव प्रसारण भी होगा। कुल मिलाकर, गंगा एक्सप्रेसवे अमरोहा के लिए सिर्फ एक सड़क नहीं, बल्कि गांव से ग्लोबल तक पहुंच का नया रास्ता बनकर उभर रहा है।

गंगा एक्सप्रेसवे लोकार्पण: अमरोहा में भव्य जनसभा की तैयारियां तेज, डीएम ने किया निरीक्षण

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। आगामी 29 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गंगा एक्सप्रेसवे के लोकार्पण को लेकर जनपद अमरोहा में तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। इस ऐतिहासिक अवसर पर तहसील हसनपुर के ग्राम मंगरौला में भव्य जनसभा का आयोजन किया जाएगा, जहां बड़ी एलईडी स्क्रीन के माध्यम से लोकार्पण समारोह का लाइव प्रसारण भी किया जाएगा।

सोमवार को जिलाधिकारी नितिन गौड़ ने पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के साथ कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यक्रम को सफल, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए और सभी तैयारियां समय से पूरी हों।

प्रशासन के अनुसार, कार्यक्रम स्थल पर करीब 5000 लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। आमजन को प्रधानमंत्री के संबोधन और लोकार्पण समारोह से जोड़ने के लिए बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाई जा रही है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बन सकें। कार्यक्रम में जिला प्रभारी मंत्री केपी मलिक सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति भी प्रस्तावित है।

जिलाधिकारी ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए पुलिस विभाग को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। इसके साथ ही पार्किंग, पेयजल, मोबाइल टॉयलेट, स्वच्छता और प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त रखने पर जोर दिया। उन्होंने पंडाल में विद्युत और अग्नि सुरक्षा ऑडिट कराने के भी निर्देश दिए, ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके। गौरतलब है कि 594 किलोमीटर लंबा गंगा एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश के मेरठ से प्रयागराज तक फैला है, जो प्रदेश के 12 जिलों—मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज—को जोड़ता है। यह एक्सप्रेसवे न केवल यात्रा को सुगम बनाएगा, बल्कि औद्योगिक और आर्थिक विकास को भी नई गति देगा। प्रशासन ने आमजन से कार्यक्रम में सहभागिता सुनिश्चित करने और निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है, ताकि यह आयोजन सफल और यादगार बन सके।

ठगी के बाद दरिंदगी का खेल! 18.40 लाख हड़पे, विरोध पर पत्नी से छेड़छाड़ कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल/ सर्वेश यादव

अमरोहा। क्षेत्र में एक बेहद सनसनीखेज और शर्मनाक मामला सामने आया है, जिसने न केवल कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं, बल्कि इंसानियत को भी झकझोर कर रख दिया है। व्यापार के नाम पर लाखों रुपये उधार लेने के बाद आरोपियों ने पैसे लौटाने से साफ इनकार कर दिया। जब पीड़ित ने अपनी मेहनत की कमाई वापस मांगी, तो आरोपियों ने न सिर्फ उसके साथ मारपीट की, बल्कि उसकी पत्नी के साथ छेड़छाड़ कर दरिंदगी की सारी हदें पार कर दीं।

मामला थाना रजबपुर क्षेत्र के एक गांव का है, थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक व्यक्ति ने अदालत में दी गई तहरीर में बताया कि उसकी पहचान दिल्ली के विकासपुरी इलाके में रहने वाले हिमांशु गुगनानी, अमरीक सिंह और नरेश चावला से थी। आरोप है कि मई 2025 में इन लोगों ने व्यापार शुरू करने के नाम पर उससे 18 लाख 40 हजार रुपये उधार लिए और छह महीने में लौटाने का भरोसा दिया। पुराने परिचय और विश्वास के चलते पीड़ित उनके झांसे में आ गया और अलग-अलग तिथियों में अपने आईडीबीआई बैंक खाते से आरोपियों के खातों में लाखों रुपये ट्रांसफर कर दिए, जबकि कुछ रकम नकद भी दी गई।

तहरीर के मुताबिक, 31 मई 2025 से 20 जून 2025 के बीच पीड़ित ने कुल 18.40 लाख रुपये आरोपियों को दे दिए। तय समय सीमा जनवरी 2026 में पूरी हो गई, लेकिन इसके बाद आरोपियों ने पैसे लौटाने में आनाकानी शुरू कर दी। बार-बार मांगने पर भी रकम नहीं लौटाई गई, बल्कि बहाने बनाए जाते रहे। जब पीड़ित ने समाज के लोगों के सामने भी शिकायत की, तो आरोपी उससे रंजिश रखने लगे।

घटना ने खौफनाक मोड़ तब लिया जब 1 मार्च 2026 की शाम करीब 6 बजे मुख्य आरोपी हिमांशु गुगनानी ने पीड़ित को नारंगपुर चौराहे पर बुलाया। पीड़ित अपनी पत्नी के साथ मौके पर पहुंचा, जहां पहले से मौजूद तीनों नामजद आरोपियों के साथ दो अज्ञात व्यक्ति भी मौजूद थे। जैसे ही पीड़ित ने अपने पैसे वापस मांगे, माहौल अचानक बिगड़ गया। आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और देखते ही देखते मामला हिंसा में बदल गया।

पीड़ित के अनुसार, सभी आरोपियों ने मिलकर उसके साथ बेरहमी से मारपीट की। इतना ही नहीं, उसकी पत्नी के साथ छेड़छाड़ की गई और उसके कपड़े तक फाड़ दिए गए। मौके पर मौजूद अजय, शरद और अन्य लोगों ने हस्तक्षेप कर किसी तरह दंपति को आरोपियों के चंगुल से बचाया। जाते-जाते आरोपियों ने पीड़ित को जान से मारने की धमकी भी दी, जिससे वह और उसका परिवार दहशत में है।

घटना के तुरंत बाद पीड़ित थाना रजबपुर पहुंचा, लेकिन आरोप है कि वहां उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई। न्याय की उम्मीद में उसने पुलिस अधीक्षक अमरोहा को रजिस्टर्ड डाक के जरिए शिकायत भेजी, लेकिन उस पर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। पुलिस की इस उदासीनता से निराश होकर अंततः पीड़ित ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसीजेएम द्वितीय अमरोहा ने पुलिस को सख्त निर्देश देते हुए मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया। कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद अब संबंधित थाने में आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी, गबन, मारपीट, छेड़छाड़ और जान से मारने की धमकी जैसी गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जाएगी। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अगर समय रहते कार्रवाई की जाती, तो शायद पीड़ित को इस भयावह स्थिति का सामना नहीं करना पड़ता।

दिनदहाड़े ज्वैलर से ठगी: ग्राहक बनकर आए, आंखों के सामने कुंडल उड़ाकर फरार

दैनिक बुलंद मंज़िल

सैद नंगली। थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े ठगी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। कस्बे के मोहल्ला महल निवासी जफर की ज्वैलरी दुकान पर सोमवार दोपहर करीब 2:20 बजे एक युवक और बुर्का पहने महिला ग्राहक बनकर पहुंचे। युवक ने पीली टी-शर्ट पहन रखी थी और सोने के कुंडल देखने की बात कही। दुकानदार ने भरोसा कर उन्हें कुंडल दिखाए, लेकिन इसी दौरान शातिर जोड़ी ने चालाकी से एक कुंडल गायब कर दिया।

बताया जा रहा है कि युवक ने कुंडल देखते हुए एक अपने साथ आई महिला को थमा दिया, जिसने उसे छुपा लिया। इसके बाद दोनों बिना शक पैदा किए दुकान से निकल गए। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिससे पुलिस को अहम सुराग मिलने की उम्मीद है। पीड़ित ज्वैलर जफर ने थाना सैदनगली में तहरीर देकर अज्ञात युवक और महिला के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। स्थानीय व्यापारियों में इस घटना के बाद चिंता का माहौल है और उन्होंने सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर को लेकर भ्रांतियां दूर करने में जुटा विभाग, 14 जिलों में लगे मेगा कैंप

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद /मेरठ । पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (PVVNL) द्वारा स्मार्ट प्रीपेड मीटर को लेकर उपभोक्ताओं के बीच फैली भ्रांतियों को दूर करने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। निगम ने स्पष्ट किया है कि बिजली से जुड़ी हर समस्या का समाधान करना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं इसी क्रम में पश्चिमांचल क्षेत्र के 14 जनपदों में विशेष मेगा शिविर आयोजित किए गए, जहां बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं ने पहुंचकर अपनी समस्याएं दर्ज कराईं। विभागीय आंकड़ों के अनुसार इन शिविरों में कुल 1872 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 1680 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों के शीघ्र समाधान के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं

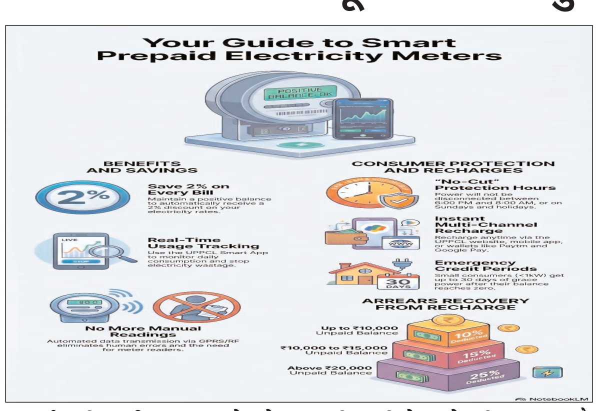

निगम के अनुसार स्मार्ट प्रीपेड मीटर उपभोक्ताओं को पारदर्शी और सटीक बिलिंग की सुविधा प्रदान करता है। इसके माध्यम से उपभोक्ता अपने बिजली उपयोग और बैलेंस की जानकारी रियल टाइम में प्राप्त कर सकते हैं, जिससे खर्च पर नियंत्रण रखना आसान हो जाता है। साथ ही बैलेंस सकारात्मक बनाए रखने पर बिजली दरों में 2 प्रतिशत की विशेष छूट भी दी जा रही है इसके अलावा यदि किसी उपभोक्ता का बैलेंस समाप्त हो जाता है तो इमरजेंसी क्रेडिट और ग्रेस पीरियड जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे बिजली आपूर्ति तुरंत बाधित नहीं होती। विभाग ने यह भी बताया कि शाम 6 बजे से सुबह 8 बजे तक और रविवार या सार्वजनिक अवकाश के दौरान नो डिस्कनेक्शन व्यवस्था लागू रहती है विभाग ने उपभोक्ताओं को केवल अधिकृत माध्यमों जैसे यूपीपीसीएल ऐप या आधिकारिक वेबसाइट के जरिए ही रिचार्ज करने की सलाह दी है और किसी भी संदिग्ध कॉल या संदेश से सावधान रहने को कहा है पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम ने सभी उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी जानकारी या शिकायत के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1912 पर संपर्क करें। विभाग द्वारा आगे भी जागरूकता अभियान और मेगा कैंप आयोजित कर उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान किया जाता रहेगा।

पेट्रोल पंप के पास दो मोटरसाइकिलें भिड़ीं, चार घायल: एक को हायर सेंटर रेफर

दैनिक बुलंद मंज़िल

रहरा। शादी की खुशियों के बीच एक दर्दनाक हादसे ने माहौल को गमगीन कर दिया। बारात से लौट रहे लोगों की दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने भिड़ंत में चार लोग घायल हो गए, जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, थाना बहजोई क्षेत्र के गांव बेरीखेड़ा निवासी सीतल पुत्र हंसराज की बारात हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव लुहारी खादर गई थी। समारोह संपन्न होने के बाद देर रात बाराती अपने-अपने साधनों से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान भारत सिंह, पुष्पेंद्र और हंसराज एक ही बाइक पर सवार होकर घर लौट रहे थे।

जब वे थाना रहरा क्षेत्र में गवां रोड स्थित एक पेट्रोल पंप के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रही दूसरी बाइक से उनकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइकों के सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रहरा भिजवाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद एक अज्ञात घायल की हालत नाजुक देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया, जबकि अन्य तीन घायलों का इलाज स्थानीय स्तर पर जारी है।

बबराला में एटीएम में कार्ड फंसाकर ग्रामीण के खाते से हजारों की ठगी

दैनिक बुलंद मंज़िल / मंजू लता

सम्भल/बबराला थाना क्षेत्र बबराला में पुलिस थाना से कुछ ही दूरी पर स्थित एक एटीएम बूथ में दो शातिर ठगों ने एक ग्रामीण को निशाना बनाते हुए उसका बैंक खाता साफ कर दिया। थाना क्षेत्र के गांव मेहुआ हसनगंज निवासी भूपेन्द्र ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया है कि वह रविवार 26 अप्रैल को बबराला स्थित एटीएम से रुपये निकालने पहुंचे थे। इसी दौरान एटीएम मशीन में उनका कार्ड फंस गया। पीड़ित के अनुसार, उसी समय वहां मौजूद दो अज्ञात व्यक्तियों ने मदद का झांसा दिया और उन्हें उलझाए रखा। ठगों ने ग्रामीण को बैंक की फर्जी फोन कॉल सुना कर बताया गया कि मशीन में तकनीकी समस्या है और बाद में कार्ड मिल जाएगा। इसके बाद जब पीड़ित घर पहुंचा और अपने खाते की जानकारी की, तो पता चला कि उसके खाते से अलग-अलग समय पर 9500-9500 रुपये की तीन बार निकासी कर ली गई है। इस तरह कुल 28,500 रुपये खाते से निकाल लिए गए।

पीड़ित ने आशंका जताई है कि एटीएम बूथ पर मौजूद उन्हीं संदिग्ध लोगों ने कार्ड बदलकर या अन्य तरीके से धोखाधड़ी की वारदात को अंजाम दिया। साथ ही, उनका एटीएम कार्ड भी गायब है। पीड़ित ने पुलिस से सीसीटीवी फुटेज की जांच कर आरोपियों की पहचान करने और उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करते हुए उसकी धनराशि वापस दिलाने की मांग की है।

पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और एटीएम बूथ के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। जल्द ही आरोपियों को चिन्हित कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

फरिश्ता बना खाकी: हादसे में घायल दम्पत्ति की जान बचाने को दौड़ा आरक्षी

एमएलसी के काफिले के साथ जा रहे गनर ने दिखाई इंसानियत, राहगीरों के साथ मिलकर कराया तत्काल उपचार

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा। सड़क पर अचानक हुआ हादसा और कुछ ही पलों में बदली तस्वीर—जब खाकी वर्दी ने सिर्फ कानून नहीं, बल्कि इंसानियत का भी फर्ज निभाया। सोमवार को थाना अमरोहा देहात क्षेत्र के ग्राम एब्जाबाद रोड पर एक दम्पत्ति की मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर फिसल गई, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के समय मौके से गुजर रहे एमएलसी विधायक डॉ हरिसिंह ढिल्लो के गनर आरक्षी सोरव बालियान जिनके साथ में विनोद गिल ने तत्परता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए तत्काल वाहन रुकवाया। बिना समय गंवाए उन्होंने घायलों की स्थिति का जायजा लिया और स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें सड़क किनारे सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

आरक्षी सोरव बालियान ने प्राथमिक उपचार की व्यवस्था कराई और एम्बुलेंस की प्रतीक्षा किए बिना तत्काल निजी वाहन से घायल दम्पत्ति को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया, जिससे उन्हें समय पर इलाज मिल सका। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यदि थोड़ी भी देर होती तो स्थिति और गंभीर हो सकती थी।

घायल दम्पत्ति के परिजनों ने आरक्षी की इस मानवीय पहल के लिए आभार जताया। वहीं, मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने भी खाकी वर्दी की इस संवेदनशील छवि की खुलकर सराहना की। लोगों का कहना था कि पुलिस का ऐसा चेहरा समाज में भरोसा और सुरक्षा की भावना को मजबूत करता है।

जनपद पुलिस ने भी आरक्षी सोरव बालियान के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि पुलिस बल केवल कानून व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरत के समय आमजन की मदद करना भी उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि खाकी वर्दी के पीछे एक संवेदनशील दिल भी धड़कता है, जो हर परिस्थिति में मानवता को सर्वोपरि रखता है।

सड़क हादसे में घायल महिला की इलाज के दौरान मौत

दैनिक बुलंदमंजिल

सैफनी। रविवार शाम शाहबाद क्षेत्र में गन्ना मिल के पास हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल गड्ढा मोहल्ला निवासी सलीम की पत्नी हसीना की सोमवार शाम उपचार के दौरान मौत हो गई। बताया जाता है कि हसीना किसी काम से जा रही थी, तभी अचानक हुए हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गई।घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से उसे तत्काल सीएचसी में भर्ती कराया गया।जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सकों ने उसे रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन उसे बेहतर इलाज के लिए मुरादाबाद में एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

सोमवार शाम जैसे ही मौत की खबर घर पहुंची।परिजनों में कोहराम मच गया और मोहल्ले में शोक की लहर दौड़ गई। देर शाम परिजन शव को घर ले आए, जहां अंतिम संस्कार की तैयारी की जा रही है।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के खिलाफ अभद्र भाषा, धार्मिक भावनाएं भड़काने का आरोप

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। जनपद के थाना कटघर पुलिस ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक व अभद्र टिप्पणी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने एक वीडियो के माध्यम से देश के प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया था, साथ ही हिन्दू धर्म और महाभारत से जुड़ी आपत्तिजनक बातें कही थीं पुलिस का कहना है कि आरोपी की इन टिप्पणियों से लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुईं और क्षेत्र में शांति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका बनी हुई थी। इस मामले में थाना कटघर पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था जांच के दौरान कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी कौशर हयात निवासी पीतल नगरी, थाना कटघर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सोशल मीडिया पर भड़काऊ या आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

मंत्री अनिल कुमार की सख्ती: जन समस्याओं के त्वरित समाधान व विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तर प्रदेश के मा. मंत्री एवं जनपद मुरादाबाद के प्रभारी मंत्री श्री अनिल कुमार की अध्यक्षता में सर्किट हाउस सभागार में जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विकास कार्यों, कानून व्यवस्था और जनसमस्याओं के समाधान को लेकर गहन समीक्षा की गई मंत्री ने पिछले माह हुई जिला प्रशासनिक समन्वय समिति (कोर कमेटी) की बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों के माध्यम से आने वाली आमजन की शिकायतों का तत्काल संज्ञान लेकर शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए चकबंदी से जुड़े मामलों पर जानकारी लेते हुए अधिकारियों ने बताया कि लंबित प्रकरणों का निस्तारण कर दिया गया है। वहीं नगर निगम में हाल ही में शामिल किए गए 19 गांवों में सफाई, स्ट्रीट लाइट और विकास कार्यों की खराब स्थिति पर मंत्री ने नाराजगी जताई और नगर निगम को व्यवस्था दुरुस्त करने तथा विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए लोक निर्माण विभाग की सड़कों के किनारे कूड़ा डाले जाने की शिकायत पर विभागीय अधिकारियों ने बताया कि संबंधित लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं और जल्द ही सफाई सुनिश्चित कराई जाएगी। मुरादाबाद विकास प्राधिकरण के एक लेखाधिकारी के खिलाफ लगातार मिल रही शिकायतों पर मंत्री ने जांच कर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए मंत्री ने लोक निर्माण विभाग और नगर निगम को निर्देशित किया कि सभी जनप्रतिनिधियों से संपर्क कर छूटी हुई सड़कों के प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजे जाएं। ग्रीन ऑर्चिड पार्क से रोड मार्ग तक पुलिस पेट्रोलिंग के संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि क्षेत्र में नियमित गश्त की जा रही है बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. शेफाली सिंह चौहान, जिला अध्यक्ष आकाश पाल, महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला, एमएलसी सतपाल सिंह सैनी, जिलाधिकारी अनुज सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल, मुख्य विकास अधिकारी मृणाली अविनाश जोशी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कुंदरकी में भाई पर बहन की हत्या का आरोप, घर में अकेले थे दोनों; कई एंगल से जांच

30 वर्षीय युवक हिरासत में, 17 वर्षीय बहन की मौत; ऑनर किलिंग समेत पारिवारिक विवाद की जांच तेज

विक्की, आरोपी

बुलंद मंजिल - ब्यूरो

मुरादाबाद। जिले के नगर कुंदरकी थाना क्षेत्र के एक गांव में भाई-बहन के रिश्ते को झकझोर देने वाली सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां 30 वर्षीय युवक पर अपनी ही 17 वर्षीय बहन की हत्या करने का आरोप लगा है। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है। पुलिस के अनुसार, आरोपी युवक विक्की अपने परिवार में सबसे बड़ा है। परिवार में तीन बहनें और दो भाई हैं। घटना के समय घर पर केवल भाई और बहन ही मौजूद थे, जबकि अन्य परिजन किसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बाहर गए हुए थे। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ, जो देखते ही देखते हिंसक हो गया। आरोप है कि गुस्से में आकर युवक ने बहन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी ने खुद को बचाने के लिए झूठी कहानी गढ़ने की कोशिश की। उसने पड़ोसियों को बताया कि कोई अज्ञात व्यक्ति घर में घुसा और वारदात को अंजाम देकर फरार हो गया। हालांकि उसकी बातों पर जल्द ही संदेह होने लगा। रात में जब परिवार के सदस्य लौटे तो घर का दृश्य देखकर सभी स्तब्ध रह गए। मां ने बेटी को आवाज दी, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। कमरे में पहुंचने पर देखा कि वह खून से लथपथ पड़ी है। यह दृश्य देखकर परिवार में चीख-पुकार मच गई। उस समय आरोपी युवक छत पर मौजूद था और खुद को सामान्य दिखाने की कोशिश कर रहा था। परिजनों और ग्रामीणों के दबाव के बाद आरोपी ज्यादा देर तक अपनी कहानी पर कायम नहीं रह सका। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। स्थानीय लोगों के अनुसार, आरोपी कोई नियमित कामकाज नहीं करता था और अपने पिता पर ही निर्भर था। पुलिस इस पहलू को भी जांच में शामिल कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामला अत्यंत गंभीर है और सभी संभावित पहलुओं पर जांच की जा रही है। फिलहाल पारिवारिक विवाद और ऑनर किलिंग दोनों एंगल से मामले की पड़ताल की जा रही है। पुलिस ने जल्द ही पूरे मामले का खुलासा करने का भरोसा जताया है।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा को लेकर प्रशासन सतर्क, रेलवे स्टेशन पर डीएम-एसएसपी ने किया निरीक्षण

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद: जनपद में आयोजित होमगार्ड भर्ती परीक्षा के मद्देनजर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट नजर आया। सोमवार को जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने स्थानीय रेलवे स्टेशन का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के आवागमन, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण तथा अन्य जरूरी इंतजामों को बारीकी से परखा। रेलवे स्टेशन पर बढ़ती भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो अधिकारियों ने संबंधित विभागों के कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि अभ्यर्थियों को किसी तरह की परेशानी न हो और उन्हें समय पर अपने गंतव्य तक पहुंचने में सुविधा मिले। इसके साथ ही यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने पर भी विशेष जोर दिया गया प्रशासन की इस सक्रियता से अभ्यर्थियों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है और परीक्षा को शांतिपूर्ण व व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने की दिशा में यह कदम अहम माना जा रहा है।

लाजपत नगर में संपत्ति खरीद को लेकर विरोध, शिवसेना ने प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

बुलन्द मंज़िल आसिम खान

मुरादाबाद शहर के लाजपत नगर क्षेत्र में संपत्ति खरीद-फरोख्त को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। इस संबंध में शिवसेना के पदाधिकारियों ने जिला मुख्यालय और एसपी सिटी कार्यालय पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया और प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा शिवसेना जिला प्रमुख वीरेंद्र अरोड़ा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र में कुछ बाहरी लोगों द्वारा मकान और भूखंड खरीदने पर आपत्ति जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि इस कारण स्थानीय निवासियों में असुरक्षा की भावना उत्पन्न हो रही है। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने विभिन्न मुद्दों को उठाते हुए नारेबाजी भी की शिवसेना प्रतिनिधिमंडल ने एसपी सिटी रणविजय सिंह और एडीएम सिटी ज्योति सिंह को ज्ञापन सौंपकर मांग की कि संबंधित मामलों की जांच कर उचित कार्रवाई की जाए और क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं। साथ ही, उन्होंने विवादित संपत्तियों की रजिस्ट्री पर रोक लगाने की मांग भी रखी शिवसेना पदाधिकारियों ने कहा कि वे इस मुद्दे को लेकर आगे भी जनजागरूकता अभियान चलाएंगे और विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण करेंगे इस दौरान विपिन भटनागर, कमल सिंह राव, मुदित उपाध्याय, शिबू पांडे, आकाश सिंह, तिलक राज शर्मा, अरुण ठाकुर, उमेश ठाकुर, राजीव राठौर सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जल जीवन मिशन अंतिम चरण में, 99% ट्यूबवेल-पंप हाउस निर्माण पूरा, डीएम ने किया निरीक्षण

दैनिक बुलंद मंज़िल मौहम्मद फैजान

बिजनौर। जिले में हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के लिए चल रहे जल जीवन मिशन के कार्य अब अंतिम चरण में पहुंच गए हैं। प्रशासन के अनुसार जिले में ट्यूबवेल और पंप हाउस निर्माण का कार्य 99 प्रतिशत से अधिक पूरा हो चुका है, जबकि घर-घर नल कनेक्शन देने का कार्य भी तेजी से चल रहा है।

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने रविवार को उत्तराखंड सीमा से लगे गांवों तथा पीएम जनमन योजना के अंतर्गत चयनित क्षेत्रों का दौरा कर निमार्णाधीन और पूर्ण हो चुकी पेयजल योजनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर घर तक स्वच्छ पेयजल समयबद्ध तरीके से पहुंचे और गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो।

निरीक्षण के दौरान नजीबाबाद ब्लॉक के मोटाढाक और कौड़िया गांवों में पेयजल योजनाओं की समीक्षा की गई, जहां जलापूर्ति चालू पाई गई। वहीं शेष कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए। इसके बाद कोतवाली ब्लॉक के तेलीपाड़ा गांव में ग्रामीणों ने पर्याप्त पानी न मिलने की शिकायत की। बताया गया कि कम क्षमता की मोटर होने से समस्या बनी हुई है। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित संस्था को तत्काल मोटर बदलकर जलापूर्ति सुचारु करने के आदेश दिए।

जहानाबाद गांव में जलापूर्ति व्यवस्था संतोषजनक मिली। यहां भी बचे हुए निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। प्रशासन के अनुसार जिले में 98.38 प्रतिशत फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन (ऋक्षळउ) दिए जा चुके हैं। अधिकांश गांवों में डायरेक्ट पंपिंग और ओवरहेड टैंक के माध्यम से पानी पहुंचाया जा रहा है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि जिन योजनाओं में जलाशय, सड़क मरम्मत, पाइपलाइन नेटवर्क या कैंपस विकास का कार्य बाकी है, उन्हें तत्काल पूरा कराया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि पेयजल गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा और आगे भी औचक निरीक्षण जारी रहेंगे।

धामपुर तहसील में राष्ट्रीय टीकाकरण, टीडी व एचपीवी कार्यक्रम की टास्क फोर्स बैठक सम्पन्न

दैनिक बुलंद मंज़िल मौहम्मद फैजान

धामपुर/बिजनौर। तहसील धामपुर में तहसीलदार धनराज कुमार की अध्यक्षता में राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम, टीडी टीकाकरण कार्यक्रम तथा एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम की मासिक तहसील स्तरीय टास्क फोर्स बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। बैठक में तहसीलदार धनराज कुमार ने एचपीवी टीकाकरण अभियान को गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग, आईसीडीएस विभाग तथा चिकित्सा विभाग के समन्वय से 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं का व्यापक स्तर पर टीकाकरण कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि एचपीवी वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा कैंसर) से बचाव में सहायक है। उन्होंने कहा कि सभी विभाग मिलकर क्षेत्र में व्यापक प्रचार-प्रसार करें, लोगों की शंकाओं का समाधान करें तथा अवरोधी परिवारों पर विशेष फोकस किया जाए, ताकि कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे। साथ ही संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान को भी सफल बनाने पर जोर दिया गया। सीएचसी स्योहारा अधीक्षक डॉ बी.के. स्नेही ने बताया कि ब्लॉक स्योहारा में टीडी एवं एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु शिक्षा विभाग और आईसीडीएस विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जा चुकी है तथा संबंधित कर्मियों का प्रशिक्षण भी कराया गया है। उन्होंने बताया कि सरकारी एवं निजी स्कूलों में अध्ययनरत 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं को एचपीवी टीकाकरण के लिए प्रेरित कर वैक्सीन लगाई जाएगी। चिकित्सा संस्थानों पर कार्यरत सीएचओ, एएनएम एवं आशा कार्यकताओं को प्रति टीकाकरण सत्र के अनुसार लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं।बैठक में डॉ अनीता, राजेश कुमार, वीर सिंह, प्रमोद कुमार शर्मा, आशीष कुमार, दिनेश कुमार, राजेश कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

स्योहारा नगर पालिका बोर्ड बैठक में विकास कार्यो को मिली मंजूरी, 8 प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित

दैनिक बुलंद मंज़िल / उप जिला प्रभारी मौहम्मद फैजान

स्योहारा। नगर पालिका परिषद स्योहारा, जनपद बिजनौर में दिनांक 27 अप्रैल 2026 को पूर्वाह्व 11:30 बजे सभाकक्ष में बोर्ड बैठक आयोजित की गई। बैठक में बोर्ड के समक्ष कुल 08 प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए, जिन्हें सर्वसम्मति से स्वीकृत कर दिया गया। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के वास्तविक एवं वित्तीय वर्ष 2026-27 के अनुमानित बजट की स्वीकृति, राज्य वित्त आयोग के अंतर्गत नाले, चैनल एवं मरम्मत कार्य, जलनिकासी हेतु नालों के निर्माण कार्य, पेयजल योजना के अंतर्गत पाइप लाइन, ट्यूबवेल, हैंडपंप मरम्मत, ओवरहेड टैंक मरम्मत एवं अन्य कार्यो पर विचार किया गया। पथ प्रकाश व्यवस्था के अंतर्गत 500 नई एलईडी लाइटें क्रय करने, आवश्यकता अनुसार हाईमास्ट पोल लगाने, नगर क्षेत्र के तालाबों की साफ-सफाई, डी-वाटरिंग, डी-सिल्टिंग, सौंदर्यीकरण, गंदे पानी की सफाई हेतु एसटीपी प्लांट स्थापना, एक डबल बैरल फॉगिंग मशीन क्रय करने तथा भवन मानचित्र स्वीकृति के प्रस्ताव भी पारित किए गए। बैठक की अध्यक्षता पालिका अध्यक्ष फैसल वारसी ने की। बैठक में अधिशासी अधिकारी विजेन्द्र सिंह पाल, लेखा लिपिक/अधिष्ठान लिपिक देवेंद्र सिंह सहित बोर्ड के सदस्य एवं सभासद व कर्मचारी उपस्थित रहे। अंत में अधिशासी अधिकारी द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बैठक का समापन किया गया।

झोलाछाप डॉक्टर का इंजेक्शन बना जानलेवा, बुजुर्ग महिला की मौत से मचा हड़कंप

इलाज के नाम पर मौत, इंजेक्शन लगते ही बिगड़ी हालत, सड़क किनारे तोड़ा दम

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। जिले के बहेड़ी थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक झोलाछाप डॉक्टर के इलाज ने 60 वर्षीय महिला की जान ले ली। घटना के बाद परिजनों में भारी आक्रोश है और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठ रही है।

थाना बहेड़ी क्षेत्र के गांव गोहरी निवासी प्रेमवती रविवार शाम पड़ोसी गांव सक्रास में एक कथित डॉक्टर के पास सर्दी, जुकाम और बुखार की शिकायत लेकर पहुंचीं थीं। परिजनों के मुताबिक, डॉक्टर ने उन्हें इंजेक्शन लगाया और कुछ दवाएं भी दीं, जिनमें से एक खुराक मौके पर ही खिला दी गई।आरोप है कि दवा और इंजेक्शन लगने के कुछ ही देर बाद प्रेमवती की हालत अचानक बिगड़ने लगी। हालत गंभीर होती देख परिजनों ने डॉक्टर से मदद की गुहार लगाई, लेकिन आरोप है कि डॉक्टर ने जिम्मेदारी लेने के बजाय उन्हें वहां से बाहर कर दिया।

सड़क किनारे हुई मौत, मचा हड़कंप

कुछ ही देर बाद प्रेमवती ने सड़क किनारे दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंचे तो महिला मृत अवस्था में पड़ी मिलीं। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर आरोपी झोलाछाप डॉक्टर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

परिजनों में आक्रोश, सख्त कार्रवाई की मांग

घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजन आरोपी के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं और प्रशासन से ऐसे फर्जी डॉक्टरों पर सख्ती करने की अपील कर रहे हैं।

अपार्टमेंट के ग्राउंड फ्लोर में भीषण अग्निकांड,कार-बाइक जलकर राख, बड़ा हादसा टला

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। थाना प्रेमनगर क्षेत्र में सोमवार तड़के एक भीषण आग की घटना से हड़कंप मच गया। पंजाब नेशनल बैंक के पास स्थित कम्पीटेन्ट प्राइड अपार्टमेंट के ग्राउंड फ्लोर पर अचानक विद्युत पैनल में आग लग गई, जिसने देखते ही देखते खड़ी गाड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया।

सुबह करीब 05:05 बजे लगी इस आग से अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों में दहशत फैल गई। धुएं और लपटों को देख लोग घरों से बाहर निकल आए और तत्काल सूचना अग्निशमन विभाग को दी गई।

दमकल की टीम ने पाया काबू

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई यूनिट मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद पंपिंग कर आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। समय रहते आग बुझा लिए जाने से एक बड़ा हादसा टल गया।

चार वाहन जलकर खाक

इस अग्निकांड में एक क्रेटा कार (वढ 25 एठ 4455), एक स्कोडा कार (वढ 32 ठढ 6584), एक होंडा शाइन बाइक (वढ 25 उढ 4696) और एक एक्टिवा स्कूटी पूरी तरह जलकर राख हो गई। वहीं, आसपास खड़े अन्य वाहनों को सुरक्षित बचा लिया गया।

विद्युत पैनल से लगी आग, जांच जारी

प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण विद्युत पैनल में शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि विभागीय जांच जारी है।

बड़ा सवाल, सुरक्षा इंतजाम कितने पुख्ता?

इस घटना ने एक बार फिर अपार्टमेंट में फायर सेफ्टी इंतजामों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। गनीमत रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, वरना बड़ा नुकसान हो सकता था।

बरेली में अपार्टमेंट के ग्राउंड फ्लोर पर भीषण आग, कार-बाइक जलीं

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली(प्रेमनगर): थाना प्रेमनगर क्षेत्र में सोमवार तड़के करीब 05:05 बजे पंजाब नेशनल बैंक के पास स्थित कम्पीटेन्ट प्राइड अपार्टमेंट के ग्राउंड फ्लोर पर स्थित विद्युत पैनल में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पास में खड़े वाहनों को भी अपनी चपेट में ले लिया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की कई यूनिटें तत्काल मौके पर पहुंचीं और पम्पिंग कर आग पर काबू पाने का अभियान शुरू किया। दमकल कर्मियों की कड़ी मशक्कत के बाद आग को पूर्ण रूप से बुझा दिया गया।

इस अग्निकांड में यूपी 25 ईएन 4455 (क्रेटा कार), यूपी 32 एनपी 6584 (स्कोडा कार), यूपी 25 सीपी 4696 (होंडा शाइन बाइक) तथा एक एक्टिवा स्कूटर जलकर क्षतिग्रस्त हो गए। हालांकि, समय रहते कार्रवाई के चलते अन्य वाहनों को सुरक्षित बचा लिया गया।

शहतूत तोड़ने पर तीन मासूमों को दुकान में बंद कर बेल्टों से पीटा, हिरासत में आरोपी

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। जिले के हाफिजगंज थाना क्षेत्र में इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। हरहरपुर मटकली गांव में शहतूत तोड़ने के आरोप में तीन बच्चों को दुकान के अंदर बंद कर बेल्ट और बिजली के केबल से बेरहमी से पीटने का आरोप लगा है। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया, जबकि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

शटर गिराकर मासूमों पर टूटा कहर

गांव के साहिल, अयान और जानेआलम नाम के तीन बच्चे आरोपी के यहां शहतूत तोड़ने गए थे। आरोप है कि इसी बात पर आरोपी भड़क गया और तीनों बच्चों को पकड़कर दुकान के अंदर बंद कर लिया। इसके बाद बेल्ट और बिजली के तार से उनकी जमकर पिटाई की गई। बच्चों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह उन्हें छुड़ाया। घटना के बाद जब घायल बच्चों के परिजन शिकायत करने पहुंचे तो आरोपी ने उन्हें भी धमकाया। इसके बाद डायल 112 पर सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने आरोपी को हिरासत में लेकर मामला शांत कराया। घायल बच्चों को इलाज और मेडिकल परीक्षण के लिए नवाबगंज भेजा गया है।

दूसरे पक्ष ने लगाया चोरी और हमला करने का आरोप

मामला यहीं नहीं रुका। दूसरे पक्ष से रामभरोसेलाल की पत्नी ने भी पुलिस में तहरीर देकर बच्चों पर चोरी का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि बच्चों को डांटने पर 15-20 लोग उनके घर में घुस आए और जान से मारने की धमकी दी। इस आरोप के बाद मामला और पेचीदा हो गया है। थाना प्रभारी प्रवीन सोलंकी ने बताया कि बच्चों का मेडिकल कराया जा रहा है और आरोपी को एसडीएम कोर्ट में पेश कर दिया गया है। दोनों पक्षों की तहरीरों के आधार पर जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री के संभावित दौरे को लेकर प्रशासन अलर्ट, डीएम-एसपी ने सभास्थल का किया निरीक्षण

दैनिक बुलंद मंज़िल
मौहम्मद फैजान

बिजनौर/अफजलगढ़। जनपद बिजनौर में मा0 मुख्यमंत्री जी के 02 मई 2026 के संभावित भ्रमण कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी जसजीत कौर एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने आज अफजलगढ़ के निकट ग्राम आलमपुर गांवड़ी स्थित प्रस्तावित सभास्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पार्किंग, मंच व्यवस्था तथा

आमजन की सुविधाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम स्थल पर सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए, जबकि एसपी ने सुरक्षा के मद्देनजर चाक-चौबंद इंतजाम सुनिश्चित करने को कहा। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी अलोक कुमार सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री के संभावित दौरे को लेकर सभी विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर तैयारियां की जा रही हैं।

युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप, परिवार में हड़कंप

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। थाना बारादरी क्षेत्र से एक युवती के लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों ने पड़ोस में रहने वाले युवक पर बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया है।

पीड़ित की शिकायत के अनुसार, क्षेत्र निवासी पीड़ित परिवार ने बताया कि उनकी बहन 24 अप्रैल को सुबह घर से अचानक लापता हो गई। काफी तलाश के बाद पता चला कि पड़ोस में किराए पर रहने वाला नन्हे उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है।जब परिजन आरोपी के घर पहुंचे तो वहां मौजूद उसके भाई राजू और छोटेलाल ने उनसे कहासुनी और झगड़ा किया। बाद में उन्होंने आश्वासन दिया कि कुछ समय में किशोरी को वापस ले आएंगे, लेकिन काफी समय बीतने के बाद भी उसका कोई पता नहीं चल सका।परिजनों ने आशंका जताई है कि किशोरी के साथ कोई अनहोनी हो सकती है। मामले की सूचना पुलिस को दे दी है

शादी का झांसा, दुष्कर्म के आरोप

एफआईआर में खेल! बरेली में 2 दरोगा और दीवान सस्पेंड

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। जनपद में पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े करने वाला एक गंभीर मामला सामने आया है, जिसमें बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने लापरवाही बरतने वाले तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। कार्रवाई में दो उपनिरीक्षक (दारोगा) और एक मुख्य आरक्षी (दीवान) शामिल हैं।

थाना सीबीगंज क्षेत्र में 08 दिसंबर 2023 को एक महिला ने प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया था कि एक व्यक्ति ने शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और बाद में उसे छोड़ दिया। यह एक गंभीर आपराधिक मामला था, लेकिन पुलिस ने इसमें अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई।

एफआईआर में बड़ी चूक

महिला की शिकायत पर थाना सीबीगंज में एफआईआर संख्या 354/2023 दर्ज की गई, लेकिन उसमें केवल धारा 498अ और 504 आईपीसी ही लगाई गईं। जबकि मामले की प्रकृति के अनुसार दुष्कर्म जैसी गंभीर धाराएं भी लगनी चाहिए थीं। जांच में सामने आया कि तत्कालीन मुंशी (मुख्य आरक्षी) प्रवीण कुमार ने ऋक्फ दर्ज करते समय गंभीर आरोपों को नजरअंदाज किया।

विवेचना में भी लापरवाही

मामले की जांच कर रहे उपनिरीक्षक रत्नेश कुमार (थाना भुता) और सचिन चौधरी (थाना नवाबगंज) ने भी विवेचना के दौरान आवश्यक कानूनी धाराएं नहीं जोड़ीं और न ही विधिसम्मत कार्रवाई की। यह लापरवाही न सिर्फ पीड़िता के साथ अन्याय मानी गई, बल्कि पुलिस की पेशेवर जिम्मेदारी पर भी सवाल खड़े करती है।

SSP का सख्त एक्शन

मामले को गंभीरता से लेते हुए ररढ अनुराग आर्य ने तीनों पुलिसकर्मियों उपनिरीक्षक रत्नेश कुमार,उपनिरीक्षक सचिन चौधरी व मुख्य आरक्षी प्रवीण कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही पूरे प्रकरण की विभागीय जांच के आदेश भी जारी कर दिए गए हैं।

डीएम ने राया अनाज मंडी का किया औचक निरीक्षण

-डीएम ने बिचौलियों पर कड़ी नजर रखने के दिये निर्देश

बुलंद मंजिल / प्रदीप अग्रवाल

मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने जनपद मथुरा के राया मंडी स्थित तीन गेहूं क्रय केंद्रों का निरीक्षण किया। जिसमें खाद्य विभाग का राया उप मंडी प्रथम एवं राया उप मंडी द्वितीय तथा एफसीआई का राया उप मंडी भारतीय खाद्य निगम शामिल था। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने राया स्थित गेहूं क्रय केंद्र का औचक निरीक्षण किया तथा बोरी की उपलब्धता, वेटिंग मशीन, छन्ना, डस्टर, नमी मापक यंत्र आदि का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गेहूं खरीद की व्यवस्था, भंडारण, तौल प्रक्रिया और किसानों को हो रही सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने उपस्थिति किसानों से

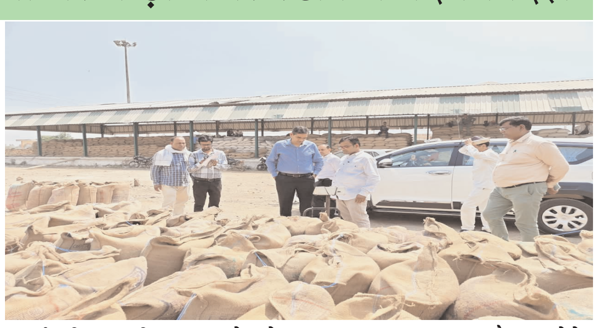

वार्ता की, उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना तथा क्रय केंद्र के प्रभारी को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने उपस्थित किसानों से सीधे संवाद भी किया और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने किसानों को गुड खिलाया। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि प्रत्येक किसान को न्यूनतम समर्थन मूल्य का पूरा लाभ मिले। जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य रुपए 2585 है। उन्होंने किसानों को सरकारी क्रय केंद्रों पर गेहूं बेचने हेतु प्रोत्साहित किया। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने सख्त निर्देश दिए कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने मंडी निरीक्षक को निर्देश दिए मंडी परिसर में साफ सफाई की उत्कृष्ट व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

सैनी समाज के जिलाध्यक्ष के घर पर हुए हमले के विरोध में किया प्रदर्शन

-एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह को सौंपा छह सूत्रीय ज्ञापन

बुलंद मंजिल / प्रदीप अग्रवाल

मथुरा। सैनी समाज के जिलाध्यक्ष महेश सैनी एडवोकेट के घर पर हुए जानलेवा हमले के विरोध में सोमवार को सैनी समाज लोगों ने समाज कल्याण विभाग के छात्रावासों के समीप स्थित वट वृक्ष के नीचे एकत्रित होकर प्रदर्शन किया। समाज के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह को 6 सूत्रीय ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच और मुकदमा दर्ज करने की मांग की। आज मध्याह्न में घटना को लेकर जिला सैनी समाज, मथुरा के बैनर तले सैकड़ों समाज के लोगों ने शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपा। एसपी सिटी ने सैनी समाज के लोगों को ठोस

आश्वासन दिया कि घटना की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी, जांच पूरी होने तक कोई एकतरफा गिरफ्तारी नहीं होगी और पीड़ितों की तहरीर पर नियमानुसार मुकदमा पंजीकृत किया जाएगा। इस दौरान समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव जागेश्वर यादव ने पहुंचकर पीड़ित परिवार को समाजवादी पार्टी की ओर से पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की। कार्यक्रम के दौरान बलराम सैनी, मुकेश सैनी नेताजी, अखिल भारतीय समता फाउंडेशन के अध्यक्ष लुकेश कुमार राही, रमेश सैनी पीडब्ल्यूडी वाले, छतर सिंह सैनी, पार्षद लक्ष्मण सैनी, कृष्ण गोकुलिया, डॉ. राजकुमार सैनी, पूर्व प्रधान पवन सैनी, शरद सैनी, विष्णु सैनी, राजेन्द्र सैनी, बाबूलाल सैनी, भूप सिंह, गब्बर सिंह, डॉ. अशोक सैनी, भगवान सिंह सैनी, मदन गोपाल, राज गब्बर नेता, संतोष कुमार सैनी, ओम प्रकाश सैनी, गुलाब सैनी, गिर्राज सैनी, अजीत सैनी आदि उपस्थित रहे।

एफआईआर में गड़बड़ी और जांच में ढिलाई पर एसएसपी का बड़ा एक्शन, दो दरोगा समेत तीन पुलिसकर्मी सस्पेंड

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। दुष्कर्म जैसे गंभीर मामले में लापरवाही बरतने पर अनुराग आर्य ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। एसएसपी ने दो दरोगा और एक मुख्य आरक्षी को निलंबित कर दिया है। इन पुलिसकर्मियों पर आरोप है कि उन्होंने पीड़िता की शिकायत में सही धाराएं नहीं लगाईं और विवेचना के दौरान मनमानी की।

धाराओं में हेरफेर और जांच में ढिलाई का आरोप

निलंबित किए गए पुलिसकर्मियों में उपनिरीक्षक रत्नेश कुमार, उपनिरीक्षक सचिन चौधरी और मुख्य आरक्षी प्रवीण कुमार शामिल हैं। जांच में सामने आया कि मुख्य आरक्षी प्रवीण कुमार, जो उस समय एफआईआर लेखक थे, उन्होंने दुष्कर्म से जुड़े गंभीर आरोप होने के बावजूद उचित धाराएं नहीं लगाईं। वहीं विवेचक रहे दरोगा रत्नेश कुमार और सचिन चौधरी ने भी मामले की जांच में अपेक्षित कार्रवाई नहीं की और आवश्यक धाराओं को शामिल करने में लापरवाही बरती। यह पूरा मामला आठ दिसंबर 2023 को थाना सीबीगंज में दर्ज एक शिकायत से जुड़ा है। पीड़िता ने आरोप लगाया था कि उसके प्रेमी ने शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और बाद में उसे छोड़ दिया। इस शिकायत के आधार पर एफआईआर तो दर्ज की गई, लेकिन प्रारंभिक कार्रवाई में ही गंभीर खामियां सामने आ गईं।

जांच में खुली पोल, तुरंत हुआ एक्शन

एसएसपी द्वारा कराई गई जांच में पुलिसकर्मियों की कार्यशैली पर सवाल खड़े हुए। रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ कि मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया और कानूनी प्रक्रिया में लापरवाही बरती गई। इसके बाद अनुराग आर्य ने बिना देर किए तीनों को निलंबित कर दिया। एसएसपी ने तीनों पुलिसकर्मियों के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दे दिए हैं। उन्होंने साफ कहा कि महिला उत्पीड़न से जुड़े मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दोषी पाए जाने पर और कड़ी कार्रवाई भी की जाएगी।

जिला मुख्यालय से तहसील तक गूंजी गौ भक्तों की हुंकार

- संबंधित तहसीलों के एसडीएम को राष्ट्रपति और पीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

बुलंद मंजिल / प्रदीप अग्रवाल

मथुरा। ब्रज में एक बार फिर गाय को श्राष्ट्रमाताश का दर्जा दिलाने की मांग ने तूल पकड़ लिया है। सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर व सदर तहसील में उस वक्त अनोखा नजारा देखने को मिला, जब सैकड़ों की संख्या में गौ सेवक, साधु-संत और हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ता हाथों में बैनर-तख्तियां लेकर पहुंच गए। सभी गौ भक्त व साधु संतों ने जिला मुख्यालय पर भजन-कीर्तन कर रहे थे। विभिन्न अखाड़ों से आए साधु-संतों और गौ रक्षकों के इस जत्थे ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी नहीं की, बल्कि गौ माता के जयकारों और भजनों

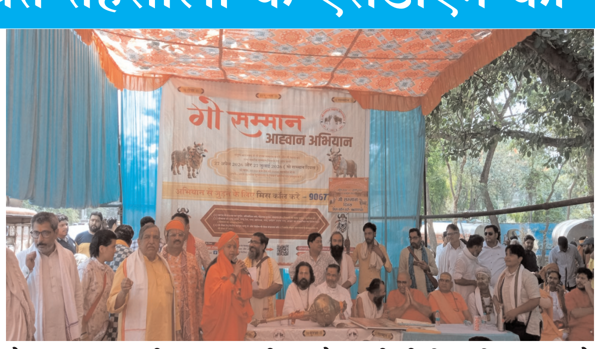

के साथ अपनी मांग रखी। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि गाय केवल एक पशु नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और आस्था का आधार है। इस्कान मंदिर से संकीर्तन की टीम संकीर्तन करती हुई प्रदर्शन में चल रही थी। प्रदर्शन में शामिल प्रमुख संतों ने कहा कि ब्रज भूमि से उठी यह आवाज अब पूरे देश में गूंजेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इस दिशा में जल्द ही कोई कदम नहीं उठाया, तो दिल्ली के जंतर-मंतर पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान एसडीएम कार्यालय के बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। एसडीएम गोवर्धन सुरेंद्र सिंह ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया है कि उनका ज्ञापन उच्च अधिकारियों के माध्यम से सरकार तक पहुंचा दिया जाएगा। छाता तहसील में गौ रक्षकों ने एसडीएम छाता के माध्यम से देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उत्तर प्रदेश के राज्यपाल और मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में प्रमुख रूप से गाय को अविलंब श्राष्ट्रमाताश घोषित करने, पूरे देश में गौ हत्या के खिलाफ सख्त केंद्रीय कानून बनाने, गौवंश के लिए आरक्षित चरगाह भूमियों को भू-माफियाओं के कब्जे से मुक्त कराने और सरकारी गौशालाओं में चारे व चिकित्सा की व्यवस्था दुरुस्त करने की मांगें रखी गईं। प्रदर्शन में शामिल बरसाना के प्रमुख संत रमेश बाबा महाराज ने कहा कि ब्रज भूमि से उठी यह आवाज अब पूरे देश में गूंजेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इस दिशा में जल्द ही कोई कदम नहीं उठाया, तो दिल्ली के जंतर-मंतर पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। अरुण ठाकुर छाता गौ रक्षक दल टीम कमल ठाकुर अध्यक्ष ने कहा गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा देना करोड़ों हिंदुओं की आस्था का सम्मान होगा। हम तब तक शांत नहीं बैठेंगे जब तक गौ माता को वह सम्मान नहीं मिल जाता जिसकी वह हकदार हैं। इस दौरान तहसील के बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे और शांति व्यवस्था कायम रही। एसडीएम वैभव गुप्ता ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि उनका ज्ञापन उच्च अधिकारियों के माध्यम से सरकार तक पहुंचा दिया जाएगा।

नारी शक्ति बंधन अधिनियम के अंतर्गत महिलाओं के अधिकारों एवं सम्मान को लेकर जन आक्रोश महिला सम्मेलन का किया आयोजन

दैनिक बुलंद मंजिल/ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

चन्दौसी। भारतीय जनता पार्टी के आवाहन पर नारी शक्ति बंधन अधिनियम के अंतर्गत महिलाओं के अधिकारों, सुरक्षा एवं सम्मान को सशक्त करने हेतु एक जन आक्रोश महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं एवं कार्यकताओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष मा. सत्यपाल सिंह सैनी (विधान परिषद सदस्य) रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में मोनिका पंडिता (क्षेत्रीय उपाध्यक्ष, भाजपा महिला मोर्चा पश्चिम क्षेत्र) उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में अभिभावक स्वरूप क्षेत्रीय विधायक मा. गुलाब देवी जी (माध्यमिक शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश) का विशेष सानिध्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष चौधरी हरेंद्र सिंह द्वारा की गई तथा संचालन मोक्षिका शर्मा ने कुशलतापूर्वक किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने महिलाओं के सशक्तिकरण, उनके अधिकारों की रक्षा तथा समाज में सम्मानजनक स्थान सुनिश्चित करने के लिए केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे ऐतिहासिक कार्यों पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि सत्यपाल सिंह सैनी के कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसने महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति बंधन अधिनियम महिलाओं को राजनीतिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग आज महिलाओं के नाम पर राजनीति कर रहे हैं, उन्होंने अपने शासनकाल में महिलाओं के अधिकारों की अनदेखी की। भाजपा सरकार ने महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान और अवसर देने का कार्य किया है। विशिष्ट अतिथि मोनिका पंडित ने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं और भाजपा सरकार ने उन्हें आगे बढ़ाने के लिए अनेक योजनाएं लागू की हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन महिलाओं के अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम है और हर महिला को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहना चाहिए। उन्होंने सभी महिला कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में अपनी भूमिका निभाएं। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त किया तथा महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु निरंतर संघर्ष का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री महिला मोर्चा भाजपा सम्भल मोक्षिका शर्मा ने किया।कार्यक्रम के समापन के पश्चात विपक्ष का पुतला जलाया गया।

इस दौरान भाजपा नेत्री मंजू दिलेर, अभियान संयोजक शिल्पी गुप्ता, पालिकाध्यक्ष लता वार्ष्णेय, साध्वी गीता प्रधान, एड. पुष्पलता पाल, राजश्री अग्रवाल, उमा श्रीवास्तव, प्रतिभा चौधरी, आशा गोस्वामी, शीनू गुप्ता, शीला सागर, रिमझिम बाल्मीकि, गुड़िया सैनी, सीमा शर्मा, पूनम तिवारी, रेखा सैनी, ब्रजवाला,आभा शर्मा, जमुना, सुधा शर्मा, रीता रानी, आरती शर्मा , आरती सिंह, योगेश, शालू, रिनी अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, अनामिका यादव, लेखवती सागर, रेशमा, सुशीला, किरन शर्मा, रीता रानी, रितु अग्रवाल, संगीता शर्मा, प्रीति मिश्रा, अंजू आर्य, काजल, वंशिका ,कार्यक्रम संयोजक सुधीर मल्होत्रा,मनोज कठेरिया, अंकुर अग्रवाल,अभिनव शर्मा,अंकुल देव,शुभम अग्रवाल, आलोक शाक्य ,अमन कोली,शिवेंद्र,संजय बंसल आदि उपस्थित रहे।

माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने किया जाहरवीर मन्दिर मां मंशादेवी मन्दिर का शिलान्यास किया

प्रवेश यादव/बुलंद मंज़िल सम्भल/पंवासा नगर पंचायत नरौली में मोहल्ला मंगलवाला स्थित जाहरवीर मन्दिर के ग्राउंड पर भव्य मन्दिर शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार में माध्यमिक शिक्षा मंत्री माननीय गुलाब देवी जी विशिष्ठ अतिथि राजा उपेन्द्र सिंह उर्फ. शोभित राजा साहब का कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने जोरदार स्वागत किया।स्वागत समारोह का बाद में माध्यमिक शिक्षा मंत्री माननीय गुलाब देवी जी,राजा उपेन्द्र सिंह ने संयुक्त रूप से नगर पंचायत नरौली में मोहल्ला मंगलवाला स्थित जाहरवीर मन्दिर एवं मोहल्ला मंशा देवी स्थित मां मंशा देवी मन्दिर के निर्माण कार्य की 124.56लाख की लागत से हो रहे निर्माण कार्य की विधिवत शुभारंभ कर शिलान्यास कार्यक्रम की शुरूआत कर दी।माननीय मंत्री गुलाब देवी के अथक प्रयास और उनके मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से नरौली क्षेत्र में विकास कार्य निरन्तर गति पकड़ रहे हैं। मंदिर का शिलान्यास कार्यक्रम नरौली के विकास,आस्था और जनकल्याणकार के प्रति भाजपा सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। राज्यमंत्री गुलाब देवी ने कहा इस पुनीत कार्य का शिलान्यास कर मुझे अत्यन्त प्रसन्नता एवं गर्व की अनुभूति हुई है। कार्यक्रम में।राजा कुंवर उपेन्द्र सिंह उर्फ. शोभित राजा, राजा कुंवर शैलेन्द्र सिंह उर्फ. मोहित राजा,वरिष्ठ भाजपा नेता नामित सभासद संजीव राघव,अध्यक्ष बिट्टन मलिक,मंडल अध्यक्ष हरवेश राघव,प्रधान ओमेंद्र सिंह,बूथ अध्यक्ष सतेन्द्र शर्मा,पूर्व सभासद रामबाबू शर्मा,नितिन कुमार सिंह राघव (समाजसेवी/पत्रकार अरमान उल हक उर्फ. हक साहब)सभासद विनोद माली,कमल दिवाकर,लिपिक राजीव कुमार, अभय ठाकुर, शुभांशु ठाकुर,असलमअंडे वाले,बब्बू सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता स्थानीय लोग शामिल रहे।

चांदपुर तहसील क्षेत्र में सनसनीखेज वारदात: बाबू सजीव चौधरी ने खुद को मारी गोली, हालत नाजुक

तहसील संग्रह कार्यालय में तैनात कर्मचारी का खौफनाक कदम –

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। चांदपुर तहसील में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब तहसील कार्यालय में बाबू के पद पर तैनात सजीव चौधरी ने खुद को गोली मार ली। घटना के बाद पूरे तहसील परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और कर्मचारी व स्थानीय लोग स्तब्ध रह गए।

मिली जानकारी के अनुसार गोली लगने के बाद सजीव चौधरी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार उनकी हालत नाजुक बनी हुई है और उनका इलाज जारी है।

गोली कहां मारी, स्पष्ट नहीं

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि सजीव चौधरी ने अपने शरीर के किस हिस्से में गोली मारी। पुलिस और चिकित्सकों द्वारा इस संबंध में अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, जिससे मामले को लेकर रहस्य बना हुआ है।

घटना से प्रशासनिक महकमे में मची हलचल

घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। तहसील परिसर में लोगों की भीड़ जुट गई और हर कोई इस घटना को लेकर चर्चा करता नजर आया।

पहले भी कर चुके हैं ऐसा प्रयास

सूत्रों के अनुसार, करीब 6 वर्ष पूर्व भी सजीव चौधरी द्वारा खुद को गोली मारने की घटना सामने आई थी, जिसमें उन्होंने अपने पैर में गोली मारी थी। इस बार की घटना ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पुलिस कर रही गहन जांच

घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना के पीछे के कारणों की गहराई से पड़ताल की जा रही है। परिजनों और सहकर्मियों से पूछताछ कर सभी पहलुओं को खंगाला जा रहा है।

कारणों को लेकर चचाओं का बाजार गर्म

घटना के बाद तहसील परिसर और क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं। हालांकि अभी तक घटना के पीछे की असली वजह सामने नहीं आई है।

बबराला में ' जानकारी केअनुसार नशीले गिरोह' का तांडव बुजुर्ग महिला की आँखों में धूल झोंक कुंडल उड़ाए, पुलिस की गश्त हवा-हवाई

बबराला इंद्रा चौक पर रोड़ पार करते हुए दो टप्पेबाजी

दैनिक बुलंद मंज़िल गुन्नौर/ संभल/थाना बबराला नगर में अपराधियों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि अब दिनदहाड़े बुजुर्गों को निशाना बनाया जा रहा है। सोमवार सुबह इंदिरा चौक जैसे व्यस्त इलाके में टप्पेबाजों ने एक बुजुर्ग महिला को जानकारी के अनुसार नशीला पदार्थ सुंघाकर उसके सोने के कुंडल लूट लिए। हैरानी की बात यह है कि एक महीने के भीतर कस्बे में यह दूसरी बड़ी वारदात है, जिसने पुलिसिया इकबाल पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।सम्मोहन का जाल अम्मा भीड़ बहुत है, कुंडल संभाल लो'

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम कृतिया निवासी प्रेमवती पत्नी विष्णुदत्त शर्मा सोमवार सुबह करीब 11 बजे दवा लेने बबराला आई थीं। जैसे ही वह इंदिरा चौक पर टेंपो से उतरकर पैदल बाजार की ओर बढ़ीं, दो अज्ञात युवकों ने उन्हें रोक लिया। युवकों ने बड़ी ही हमदर्दी जताते हुए कहा, अम्मा, आगे बहुत भीड़ है और लूटपाट हो रही है, आप अपने कुंडल उतारकर इस रुमाल में बांध लो। जानकारी के अनुसार नशीला पदार्थ सुंघाकर थमा दी 'कागज की गड्डी'पीड़िता का आरोप है कि बातचीत के दौरान ही बदमाशों ने उन्हें कोई नशीला पदार्थ सुंघा दिया, जिससे उनकी सोचने-समझने की शक्ति कम हो गई। बदमाशों ने चालाकी से उनके असली कुंडल ले लिए व रुमाल में कुंडल बांधने का ढोंग करते हुए उन्हें कागज की एक गड्डी थमा दी। जब कुछ देर बाद प्रेमवती को होश आया और उन्होंने रुमाल खोलकर देखा, तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। रुमाल में कुंडल की जगह महज 10 रुपये का सिक्का व रद्दी कागज निकले।

सीसीटीवी में कैद हुए लुटेरे, पुलिस के हाथ अब भी खाली घटना के बाद पीड़िता ने शोर मचाया, लेकिन शातिर अपराधी भीड़ का फायदा उठाकर रफूचक्कर हो चुके थे। हालांकि, यह पूरी वारदात इंदिरा चौक पर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। पीड़िता ने थाने में तहरीर देकर आरोपियों की। गिरफ्तारी की गुहार लगाई है। खाकी पर सवाल क्या सो रही है बबराला पुलिस महीने में दूसरी वारदात एक महीने के अंदर कस्बे में टप्पेबाजी की यह दूसरी घटना है। क्या पुलिस सिर्फ कागजी खानापूर्ति में जुटी है गश्त का दावा फेल इंदिरा चौक जैसे व्यस्त चौराहे पर, जहाँ हर वक्त पुलिस की मौजूदगी का दावा किया जाता है, वहाँ अपराधी बेखौफ होकर नशीले पदार्थ का इस्तेमाल कर रहे हैं। जनता में खौफ दिनदहाड़े हुई इस वारदात से व्यापारियों और स्थानीय लोगों में असुरक्षा की भावना है पीड़िता की तहरीर मिली है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जल्द ही आरोपियों को चिन्हित कर सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

थाना प्रभारी, बबराला

अजीमुल्ला नगर (फीना) व छाछरी टीप गौशालाओं में मौतों पर घमासान – प्रशासन पर दबाने के आरोप, अधिकारियों के कथित बयानों से भड़का गुस्सा

गौशालाओं पर बवाल चरम पर! गौसंहार के आरोप, विरोध करने वालों को बताया दलाल – 2 तारीख को सामूहिक इस्तीफे का ऐलान

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। जनपद बिजनौर की गौशालाओं में गोवंश की कथित मौतों को लेकर अब विवाद बेहद तीखा और टकरावपूर्ण हो गया है। फीना क्षेत्र के अजीमुल्ला नगर स्थित सरकारी गौशाला और छाछरी टीप गौशाला को लेकर पश्चिम उत्तर प्रदेश के विश्व हिन्दू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ ने गंभीर आरोप लगाए हैं कि लगातार हो रही मौतों की आवाज उठाने के बावजूद जिला प्रशासन, डीएम बिजनौर सीबोओ बिजनौर डिप्टी सीबीओ बिजनौर और पुलिस प्रशासन द्वारा पूरे मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है।

संगठन का कहना है कि कई बार शिकायत और सोशल मीडिया (ट्वीट)के माध्यम से अधिकारियों को अवगत कराने के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ, जिससे पदाधिकारियों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

आवाज उठाने पर अपमान – बढ़ा विवाद

मामले ने उस समय और तूल पकड़ लिया जब संगठन के पदाधिकारियों और पत्रकारों के साथ कथित रूप से अभद्र भाषा के प्रयोग के आरोप सामने आए।

स्वाति तोमर (प्रदेश उपाध्यक्ष) की मौजूदगी में कथित तौर पर पदाधिकारियों और पत्रकारों को दो कौड़ी के दलाल कहा गया, जिससे संगठन में तीव्र रोष फैल गया।

साथ ही आरोप है कि गौशाला निरीक्षण के दौरान पहुंचे डिप्टी सीबीओ ने भी हिन्दूवादी संगठनों को अपमानजनक शब्द कहे और गौशाला की स्थिति को संतोषजनक बताते हुए चुनौतीपूर्ण लहजे में प्रतिक्रिया दी।

प्रशासन पर सीधे आरोप

विश्व हिन्दू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ ने आरोप लगाया है कि:

गौशालाओं में गोवंश भूख-प्यास और बीमारी से मर रहे हैं

वास्तविक स्थिति को छिपाया जा रहा है

जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा गौशाला संचालकों को संरक्षण दिया जा रहा है

इन आरोपों ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

विश्व हिन्दू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों के तीखे बयान

प्रशांत तोमर (प्रदेश उपाध्यक्ष) ने तीखे शब्दों में कहा कि

यह गौ संरक्षण नहीं, बल्कि खुला गौसंहार है। यदि प्रशासन अब भी नहीं जागा तो पूरे प्रदेश में बड़ा आंदोलन खड़ा किया जाएगा। जिम्मेदार अधिकारियों को हर हाल में जवाब देना होगा।

स्वाति तोमर (प्रदेश उपाध्यक्ष) ने कहा कि गौमाताओं की यह दुर्दशा असहनीय है। आवाज उठाने पर हमें अपमानित किया जा रहा है। यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो महिलाएं भी सड़क पर उतरकर बड़ा विरोध करेंगी।

नागेन्द्र सिंह राजपूत (प्रदेश मंत्री, चैनल इन चीफ सिटी न्यूज ऑल इंडिया एवं वरिष्ठ पत्रकार) ने कहा कि सरकार करोड़ों रुपये गौ संरक्षण के नाम पर खर्च कर रही है, लेकिन जमीनी हकीकत बेहद शर्मनाक है। शिकायत करने वालों को दबाना और अपमानित करना लोकतंत्र के खिलाफ है। इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

दीपक शर्मा (जिला अध्यक्ष) ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो जिला स्तर पर उग्र आंदोलन किया जाएगा। जिम्मेदार अधिकारियों को जनता के बीच आकर जवाब देना पड़ेगा।

2 तारीख को होगा बड़ा विरोध

आक्रोशित संगठन ने ऐलान किया है कि आगामी 2 तारीख को, जब प्रदेश के मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ बिजनौर आगमन करेंगे, उस दिन पश्चिमी उत्तर प्रदेश के पदाधिकारी सामूहिक रूप से अपने पदों से इस्तीफा देंगे।

संगठन ने स्पष्ट कहा है कि इस पूरे घटनाक्रम की जिम्मेदारी जिला अधिकारी बिजनौर जसजीत कौर और संबंधित विभागीय अधिकारियों की होगी।

जमीनी हकीकत बनाम प्रशासनिक दावे

जहां एक ओर संगठन गौशालाओं की भयावह स्थिति और लगातार मौतों की बात कर रहा है, वहीं प्रशासन की ओर से स्थिति को सामान्य बताया जा रहा है। यही विरोधाभास अब पूरे मामले को और अधिक संवेदनशील बना रहा है।

टकराव के कगार पर हालात

मामला अब प्रशासन और सामाजिक संगठनों के बीच सीधे टकराव की स्थिति में पहुंचता दिख रहा है। यदि समय रहते निष्पक्ष जांच और ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो यह विवाद बड़े आंदोलन का रूप ले सकता है।

सबसे बड़ा सवाल:

क्या गौशालाओं की वास्तविक स्थिति सामने आ पाएगी?

क्या विरोध और इस्तीफे की चेतावनी के बाद प्रशासन जागेगा?

या फिर मामला और ज्यादा उग्र रूप लेगा?

चांदपुर में गर्मी का कहर! 41त्उ तापमान ने तोड़ी रफ्तार, लू के थपेड़ों से जनजीवन बेहाल

बाजारों में सन्नाटा, सड़कों पर पसरा सूना माहौल – बच्चों, बुजुर्गों और मजदूरों पर सबसे ज्यादा असर

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । चांदपुर क्षेत्र में इन दिनों भीषण गर्मी ने प्रचंड रूप धारण कर लिया है। अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज होने के साथ ही लू के थपेड़ों ने आम जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। सुबह से ही तेज धूप और तपिश ने लोगों को घरों में कैद रहने पर मजबूर कर दिया।

दोपहर होते-होते हालात और भी गंभीर हो गए, जब गर्म हवाओं (लू) ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दीं। जरूरी काम से ही लोग घरों से बाहर निकल रहे हैं और जो भी निकलता है, वह सिर और मुंह को कपड़े या गमछे से ढंककर चलता दिखाई दे रहा है।

बाजारों में पसरा सन्नाटा

भीषण गर्मी का असर बाजारों पर भी साफ देखने को मिल रहा है। दोपहर के समय प्रमुख बाजारों में आम दिनों की तुलना में भीड़भाड़ न के बराबर रही। कई दुकानों पर ग्राहक नहीं पहुंचे, जिससे व्यापारियों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। व्यापारी दिनभर ग्राहकों के इंतजार में खाली बैठे नजर आए।

सड़कें हुई सूनी, दिनचर्या प्रभावित

तेज गर्मी के कारण सड़कों पर भी सन्नाटा छाया रहा। आमतौर पर व्यस्त रहने वाले मार्ग भी सूने दिखाई दिए, जिससे यह साफ जाहिर होता है कि गर्मी ने लोगों की दिनचर्या को पूरी तरह बदल दिया है।

कमजोर वर्ग पर सबसे ज्यादा असर

हीटवेव का सबसे अधिक प्रभाव बच्चों, बुजुर्गों और दिहाड़ी मजदूरों पर पड़ रहा है। तेज धूप में काम करने वाले मजदूरों को विशेष कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी बढ़ने लगी हैं।

सावधानी बरतने की सलाह

विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर के समय बाहर न निकलने, पर्याप्त पानी पीने और शरीर को ढककर रखने की सलाह दी है, ताकि लू और गर्मी से बचा जा सके।

सबसे बड़ा सवाल:

क्या आने वाले दिनों में गर्मी और बढ़ेगी?

क्या प्रशासन राहत के लिए और कदम उठाएगा?

चांदपुर कोतवाली क्षेत्र में सुरक्षा का कड़ा पहरा: 74 नए आरक्षियों की तैनाती, पुलिस हुई और मजबूत

18 महिला व 56 पुरुष पुलिसकर्मी शामिल – संवेदनशील क्षेत्रों में बढ़ेगी निगरानी, अपराधियों पर शिकंजा कसने की तैयारी

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । चांदपुर क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से थाना कोतवाली क्षेत्र में 74 नए आरक्षियों की तैनाती की गई है। पुलिस विभाग के इस फैसले से सुरक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ-साथ अपराध नियंत्रण में भी तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार तैनात किए गए कुल 74 पुलिसकर्मियों में 18 महिला आरक्षी और 56 पुरुष आरक्षी शामिल हैं। सभी आरक्षियों की तैनाती के बाद उनके रहने और खाने की समुचित व्यवस्था थाना स्तर पर सुनिश्चित कर दी गई है, ताकि वे पूरी क्षमता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें।

गश्त और निगरानी होगी और सख्त

अधिकारियों के अनुसार अतिरिक्त पुलिस बल मिलने से क्षेत्र में गश्त व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। भीड़भाड़ वाले इलाकों, बाजारों और संवेदनशील स्थानों पर विशेष नजर रखी जाएगी, जिससे अपराध की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

कानून-व्यवस्था बनाए रखने की रणनीति मजबूत

पुलिस विभाग द्वारा इस तैनाती को आगामी चुनौतियों और संभावित घटनाओं को ध्यान में रखते हुए एक रणनीतिक कदम माना जा रहा है। इससे आपात स्थितियों में त्वरित कार्रवाई करना भी आसान होगा।

अपराधियों के लिए कड़ा संदेश

पुलिस बल की बढ़ी हुई मौजूदगी से असामाजिक तत्वों में भय का माहौल बनेगा और अपराधियों पर सख्त कार्रवाई की दिशा में तेजी आएगी।

जनता में बढ़ा भरोसा

स्थानीय लोगों ने इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती से क्षेत्र में सुरक्षा की भावना मजबूत होगी और लोगों को राहत मिलेगी।

सबसे बड़ा सवाल:

क्या बढ़ी हुई पुलिस तैनाती से अपराधों पर पूरी तरह लगाम लग सकेगी?

क्या यह कदम क्षेत्र में स्थायी शांति व्यवस्था कायम कर पाएगा?

सूचना

रजिस्ट्रार महोदय, नगर निगम मुरादाबाद। मैं विवेक कुमार सागर पुत्र रामचंद्र सागर, निवासी 301 अपोजिट, थाना नागफनी, जनपद मुरादाबाद का स्थाई नि.है। मेरे बेटे का जन्म प्रमाण पत्र पंजीकरण संख्या B2011030-10645 है। जन्मतिथि 30/10/2012 है। मेरे बेटे का जन्मप्रमाण पत्र में नाम ASHU है। जबकि नाम SANKALP KUMAR है। मेरे बेटे का जन्म प्रमाण में नाम संशोधित किया जाए।